दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः 56 | ग्वालियर, गुरुवार 7 नवम्बर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एकता गुप्ता हत्याकांड में आरोपी जिम ट्रेनर से रिक्रिएशन कराएगी पुलिस

कानपुर में बीते दिनों कारोबारी की पत्नी का एकता गुप्ता का शव जिलाधिकारी आवास के नजदीक बने ऑफिसर्स कैंपस में दफन मिला था. इस घटना का खुलासा होते ही पूरे देश में कोहराम मच गया. पुलिस ने एकता गुप्ता की हत्या के आरोप में जिम ट्रेनर को गिरफ्तार किया था. एकता गुप्ता की हत्या के मामले में एक नया मोड़ सामने आया है. हत्या के आरोप में गिरफ्तार जिम ट्रेनर विमल सोनी से कानपुर पुलिस नए सिरे से गहन पूछताछ करने की योजना बना रही है. पुलिस कोर्ट से आरोपी के 48 घंटे की रिमांड मांगी थी. मंजूरी मिलने के बाद अब पुलिस आरोपी को घटना स्थल पर ले जाकर रिक्रिएशन कराएगी और इस केस के अनसुलझे पहलुओं से पर्दा हटाने की कोशिश करेगी. दरअसल, चार महीने से गायब कानपुर के कारोबारी की पत्नी की हत्या के मामले में पुलिस ने जिम ट्रेनर विमल सोनी को गिरफ्तार किया था. पूछताछ में आरोपी जिम ट्रेनर कई चौंकाने वाले खुलासे किए. पुलिस पूछताछ में आरोपी में एकता की हत्या कर शव को जिलाधिकारी के आवास के पास बने ऑफिसर्स कैंपस में कई फीट गहरे गड्ढे में दफनाने की बात कबूल की थी.

अमेरिका में नतीजे का दिन

हालांकि सारे नतीजे आने में एक-दो दिन लग सकते है। ज्यादातर सर्वेक्षणों में कांटे की टक्कर बताई गई है।

नई दिल्ली ■ :

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान हुआ। सुबह मतदान शुरू होने से पहले कई राज्यों में भारी बारिश हो रही थी। भारतीय समय के हिसाब से मंगलवार, पांच नवंबर की शाम को सात बजे के करीब मतदान शुरू हुआ और बुधवार, छह नवंबर को सुबह साढ़े चार बजे मतदान समाप्त होगा। इसके तुरंत बाद वोटों की गिनती शुरू हो जाएगी। शाम तक नतीजे आने लगेंगे। हालांकि सारे नतीजे आने में एक से से दो दिन का समय लग सकता है। ज्यादातर सर्वेक्षणों में कांटे की टक्कर बताई गई है।

राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की भारतवंशी कमला देवी हैरिस के बीच मुकाबला है। कमला हैरिस अमेरिका की उप राष्ट्रपति हैं। इस बार का अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव इतिहास बनाने वाला है। अगर कमला हैरिस जीतती हैं तो 236 साल के इतिहास में वे अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति होंगी। दूसरी ओर अगर डोनाल्ड ट्रंप जीतते हैं तो 131 साल में कमबैक करने

वाले पहले राष्ट्रपति होंगे। गौरतलब है कि वे 2017 से 2021 तक राष्ट्रपति रहे। उन्होंने हिलेरी क्लिंटन को हराया था। वे नवंबर 2020 में हुए चुनाव में जो बाइडेन से हार गए थे। वे अगर जीतते हैं तो उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी की दो महिला उम्मीदवारों को हराने का श्रेय मिलेगा।

बहरहाल, मंगलवार को मतदान शुरू होने से पहले डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस दोनों ने अमेरिका के लोगों से बढ़ चढ़ कर मतदान करने की अपील की। वैसे इस चुनाव में आठ करोड़ से ज्यादा लोग पहले ही वोट डाल चुके हैं। अमेरिकी मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के कुल मतदाताओं में से करीब 40 फीसदी ने पोस्टल बैलेट से मत भेजा है या अर्ली वोटिंग की है। इससे पहले 2020 के चुनाव में 10 करोड़ लोगों ने पोस्टल बैलेट से वोट डाले थे या अर्ली वोटिंग की थी। ऐसा कोरोना महामारी की वजह से हुआ था। बहरहाल, सबसे ज्यादा नॉर्थ कैरोलीना में 66 फीसदी अर्ली वोटिंग हुई है, जबकि सबसे कम आठ फीसदी अर्ली वोटिंग मिसौरी में हुई है।

ट्रंप ने चुनाव से पहले मिशिगन में अपनी आखिरी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा- मेरा मुकाबला कमला हैरिस से नहीं, बल्कि डेमोक्रेटिक पार्टी के शैतानी सिस्टम से है। ट्रम्प ने अपने समर्थकों से घरों से निकलने और वोट करने को कहा। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में वोटों की गिनती शुरू भी हो गई। न्यू हैम्पशायर के डिक्सविल नॉच में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों प्रमुख उम्मीदवारों को तीन तीन वोट मिले। डिक्सविल नॉच में रात को वोटिंग शुरू हुई थी। वहां सिर्फ छह वोट डाले गए।

पवार ने संन्यास का दांव चला

मुंबई। महाराष्ट्र के सबसे बड़े नेता और तीन बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे शरद पवार ने विधानसभा चुनाव के बीच एक बड़ा दांव चला है। उन्होंने चुनावी राजनीति से संन्यास लेने का संकेत दिया है। एनसीपी के संस्थापक 84 साल के

फोटो-एएनआई

शरद पवार ने कहा है कि अब वे चुनाव नहीं लड़ेंगे। हालांकि उन्होंने यह भी कहा है कि वे पार्टी संगठन का काम देखते रहेंगे। इसका मतलब है कि वे अपनी पार्टी के प्रमुख बने रहेंगे।

शरद पवार ने मंगलवार को बारामती में कहा- कहीं तो रुकना ही पड़ेगा। मुझे अब चुनाव नहीं लड़ना है। अब नए लोगों को आगे आना चाहिए। मैंने अभी तक 14 बार चुनाव लड़ा है। अब मुझे सत्ता नहीं चाहिए। मैं समाज के लिए काम करना चाहता हूं। विचार करूंगा कि राज्यसभा जाना है या नहीं। गौरतलब है कि उनके बागी भतीजे अजित पवार ने कुछ समय पहले उनका नाम लिए बगैर कहा था कि वे कब तक राजनीति करते रहेंगे।

बहरहाल, शरद पवार ने 1960 में कांग्रेस से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की। महज 27 साल की उम्र में शरद पवार 1967 में बारामती विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने। पिछले पांच दशक में शरद पवार 14 चुनाव जीत चुके हैं। वे तीन बार मुख्यमंत्री रहे हैं। वे कई बार केंद्रीय मंत्री भी रहे हैं।

यूपी का मदरसा कानून बना रहेगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में उत्तर प्रदेश के मदरसा कानून को बनाए रखने का आदेश दिया है। सर्वोच्च अदालत ने यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट की वैधता बरकरार रखी है। इसका मतलब है कि उत्तर प्रदेश में मदरसे चलते रहेंगे और 16 हजार से ज्यादा मदरसों में पढ़ने वाले 17 लाख छात्र सरकारी स्कूलों में नहीं भेजे जाएंगे। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला सुनाया।

सर्वोच्च अदालत ने इलाहाबाद हाई कोर्ट का वह फैसला खारिज कर दिया, जिसमें मदरसा एक्ट को असंवैधानिक बताया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यूपी मदरसा एक्ट के सभी प्रावधान मूल अधिकार या संविधान के बुनियादी ढांचे का उल्लंघन नहीं करते हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा एक्ट के उस प्रावधान पर रोक लगा दी, जिसमें मदरसों को पीजी और रिसर्च का सिलेबस तय करने का अधिकार था। यानी अब मदरसा बोर्ड उच्च शिक्षा का पाठ्यक्रम और किताबें तय नहीं कर पाएंगे। इससे पहले पांच अप्रैल 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा एक्ट को असंवैधानिक करार देने वाले हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी। सर्वोच्च अदालत ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से इस पर जवाब भी मांगा था। इस मामले में 22 अक्टूबर 2024 को चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच में सुनवाई हुई थी। उस समय चीफ जस्टिस ने कहा था- धर्मनिरपेक्षता का मतलब है, जियो और जीने दो।

हर संपत्ति नहीं ले सकती है सरकार

नौ जजों की बेंच ने दो के मुकाबले सात के बहुमत से फैसले में कहा- हर निजी संपत्ति सामुदायिक संपत्ति नहीं।

नई दिल्ली ■

निजी संपत्ति के अधिकार और सार्वजनिक जरुरत के लिए उनके अधिग्रहण के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। सर्वोच्च अदालत ने अपने पुराने फैसले को पलटते हुए कहा है कि सरकार आम नागरिक की हर संपत्ति को नहीं ले सकती है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की बेंच ने इस सवाल पर सुनवाई की थी कि क्या सरकार आम लोगों की भलाई के लिए निजी संपत्तियों का संविधान के अनुच्छेद 39(बी) के तहत अधिग्रहण कर सकती है? बेंच ने मंगलवार को 45 साल पहले 1978 में दिया गया अपना ही फैसला पलट दिया।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ जजों की बेंच ने दो के मुकाबले सात के बहुमत से फैसला सुनाया। इसमें अदालत ने कहा- हर निजी संपत्ति को सामुदायिक संपत्ति नहीं कह सकते। कुछ खास संपत्तियों को ही सरकार सामुदायिक संसाधन मानकर इनका इस्तेमाल आम लोगों के हित में कर सकती

है। बेंच ने 1978 में दिए जस्टिस वी कृष्ण अय्यर के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था- सभी निजी संपत्तियों पर राज्य सरकारें कब्जा कर सकती हैं।

अपने फैसले में चीफ जस्टिस ने कहा- पुराना फैसला विशेष आर्थिक, समाजवादी विचारधारा से प्रेरित था। हालांकि राज्य सरकारें उन संसाधनों पर दावा कर सकती हैं, जो भौतिक हैं और सार्वजनिक भलाई के लिए समुदाय द्वारा रखी जाती हैं। बेंच में शामिल नौ जजों में से चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हृषिकेश रॉय, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा, जस्टिस राजेश बिंदल, जस्टिस एससी शर्मा और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह फैसले पर एकमत थे। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने बहुमत के फैसले से आंशिक रूप से असहमति जताई, जबकि जस्टिस सुधांशु धूलिया ने सभी पहलुओं पर असहमति जताई।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक मई को इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता सहित कई वकीलों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। नौ जजों की बेंच 16 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 1992 में मुंबई स्थित प्रॉपर्टी ओनर्स एसोसिएशन की ओर से दायर मुख्य याचिका भी शामिल थी। एसोसिएशन ने महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट एक्ट यानी म्हाडा के अध्याय VIII-ए का विरोध किया है। 1986 में जोड़ा गया यह अध्याय राज्य सरकार को जर्जर इमारतों और उनकी जमीन को अधिगृहित करने का अधिकार देता है, बशर्ते उसके 70 फीसदी मालिक ऐसा अनुरोध करें।

भारत-चीन के सुरक्षा सलाहकारों की बैठक होगी

नई दिल्ली ■

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर भारत और चीन के सैनिकों के पीछे हटने और देपसांग के मैदानी इलाकों और डेमचोक में गश्त शुरू होने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध सुधार की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। अब तनाव घटाने की प्रक्रिया शुरू होगी और इसके तहत दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मिल कर बैठक करेंगे। हालांकि यह बैठक कब होगी, इसकी जानकारी अभी नहीं दी गई है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार

को बताया कि चीन के साथ सैनिकों की वापसी का यानी डिसइंगेजमेंट का चैप्टर अब खत्म हो गया है। दोनों देशों की सेना एलएसी पर देपसांग और डेमचोक के विवादित क्षेत्र से वापसी का काम पूरा कर चुकी हैं। अब मामला काफी आगे बढ़ चुका है। जयशंकर ने कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पैनी वोंग के साथ साझा प्रेस कांफ्रेंस में इस बारे में जानकारी दी।

जयशंकर ने कहा- डिसइंगेजमेंट पूरा होने के बाद अब दोनों देशों का फोकस डी-एस्केलेशन पर होगा। इसके लिए विदेश मंत्रियों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की जल्द ही बैठक होगी। जयशंकर ने किसी तारीख का जिक्र नहीं किया। प्रेस कांफ्रेंस में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए विदेश मंत्री ने कहा- एक बार जब सैनिकों के सीमा से पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी तो हमारे पास अन्य चुनौतियां होंगी।

जेपीसी के विपक्षी सांसद स्पीकर से मिले

नई दिल्ली। वक्फ बोर्ड बिल पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी में शामिल विपक्षी सांसदों ने स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की है। विपक्षी सांसदों ने जेपीसी के अध्यक्ष भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की शिकायत की है। उन्होंने जगदंबिका पाल पर विपक्ष की राय लिए बिना एकतरफा फैसले करने का आरोप लगाया। विपक्षी सांसदों ने जेपीसी छोड़ने की भी चेतावनी दी है।

विपक्षी सांसदों का आरोप है कि जगदंबिका पाल उनको बिल पर अपनी बात रखने का मौका नहीं दे रहे हैं। इसके लिए विपक्षी नेताओं ने बिरला को एक साझा पत्र भी लिखा, जिसमें सांसदों ने समिति से अलग होने की चेतावनी दी थी। ओम बिरला को लिखी गई इस चिट्ठी में भी सासंदों ने जेपीसी के अध्यक्ष पर एकतरफा फैसला करने का आरोप लगाया है।

पत्र में विपक्षी सांसदों ने स्पीकर से शिकायत की है कि जगदंबिका पाल कई बार लगातार तीन दिनों तक बैठकों की तारीखें तय करते हैं और गवाहों को बुलाने का फैसला भी एकतरफा ले रहे हैं। विपक्षी सांसदों का कहना है कि उनके लिए तैयारी के बिना उचित बातचीत करना संभव नहीं है। दूसरी ओर भाजपा सांसदों ने आरोप लगाया है कि विपक्षी सदस्य जान बूझकर समिति के काम में बाधा डाल रहे हैं।

बुलेट ट्रेन के ट्रैक का पुल गिरने से दो मजदूर मरे

अहमदाबाद। गुजरात के आणंद में बुलेट ट्रेन के लिए बनाए जा रहे ट्रेक पर बन रहा एक पुल गिर गया है। यह हादसा मंगलवार की देर शाम को हुआ। पुल के मलबे में दब कर दो मजदूरों की मौत हो गई। आणंद जिले के पुलिस अधीक्षक जीजी जसानी ने बताया कि वासद के पास बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट चल रहा था, जिसमें लोहे की जाली गिरने से तीन से चार मजदूरों के दबने की सूचना मिली थी। दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक मजदूर को बचा लिया गया है। अभी एक मजदूर के फंसे होने की आशंका है।

देर रात तक राहत अभियान जारी था। गौरतलब है कि मुंबई से अहमदाबाद के बीच बन रहे बुलेट ट्रेन गलियारे के लिए गुजरात में कुल 20 नदी पुल बनने हैं।

नब्ज पर हाथ

-अजीत द्विवेदी

भाषा से भी चुनाव में ठगा जाता है!

भारत में चुनाव अब विकासवादी नीतियों या विचारधारा के ऊपर नहीं हो रहे हैं, बल्कि लोकलुभावन घोषणाओं और भाषण की जादूगरी पर हो रहे हैं। सारे विचार अब सिमट कर लोकलुभावन घोषणाओं या लच्छेदार लेकिन निरर्थक भाषणों में समाहित हो गए हैं। बड़े से बड़े नेता का करिश्मा भी इतना ही भर रह गया है कि वह कितनी बड़ी लोकलुभावन घोषणा कर सकता है। अगर लोकलुभावन घोषणाओं की केंद्रीयता से अलग कोई एक और चीज चुनाव को परिभाषित करने वाली है तो वह विभाजनकारी भाषण हैं।

धर्म, जाति और क्षेत्र के नाम पर विभाजन भी भारत में होने वाले चुनावों का एक महत्वपूर्ण तत्व बन गए हैं। लेकिन स्वतंत्र रूप से उनकी भी कोई हैसियत नहीं है अगर उनके साथ कुछ लच्छेदार बातें और लोकलुभावन घोषणाएं नहीं हैं। हाल में हुए अनेक चुनावों में यह प्रमाणित हुआ कि पार्टियों को चुनाव लड़ते समय किसी किस्म की वैचारिक जटिलता में पड़ने की जरुरत नहीं है। उन्हें मुफ्त में सेवाएं और वस्तुएं बांटने की घोषणा करनी है और कहीं कहीं भड़काऊ व विभाजनकारी बातें करनी हैं। इतने भर से काम चल जाएगा।

सवाल है कि यह अगर इतना ही सरल है और सभी पार्टियां इसी फॉर्मूले पर चुनाव लड़ रही हैं तो भाजपा को ही ज्यादा सफलता क्यों मिल रही है और दूसरी पार्टियां क्यों नहीं ज्यादा फायदा उठा पा रही हैं? यह सही है कि ज्यादा सफलता भाजपा को मिल रही है लेकिन यह बात लोकसभा चुनाव के संदर्भ में जितनी सही है राज्यों के चुनावों के मामले में उतनी नहीं हैं। राज्यों में दूसरे नेता भी लोकलुभावन घोषणाओं और अपनी क्षेत्रीय या भाषायी अस्मिता पर आधारित विभाजनकारी मुद्दा उठा कर चुनाव जीत जाते हैं।

तमिलनाडु से लेकर पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश से लेकर दिल्ली, पंजाब तक में इसे देखा जा सकता है। असल में लोकलुभावन घोषणाएं और विभाजनकारी नीतियां एकसमान रूप से अपनाने के बावजूद उस नेता के जीतने के बेहतर अवसर होते हैं, जिसकी भाषण शैली बेहतर होती है और जो जनता के साथ बेहतर संवाद करने वाला होता है। नरेंद्र मोदी हों या अरविंद केजरीवाल इनको संवाद की अपनी क्षमता और भाषा का लाभ मिलता है।

राजनीति में भाषा के संबंध और महत्व को महान लेखक जॉर्ज ऑरवेल ने अपने लेखन में विस्तार से समझाया है। उन्होंने दो लंबे निबंध लिखे थे, 'पॉलिटिक्स एंड द इंगलिश लैंग्वेज' और 'व्हाई आई राइट'। इसके अलावा जिन लोगों ने उनकी महान रचना 'नाइंटीन एटी फोर' पढ़ी है उनको इसका और बेहतर अंदाजा होगा। इस उपन्यास के अंत में एक एपेंडिक्स है, 'द प्रिंसिपल्स ऑफ न्यूस्पीक', जिसमें उपन्यास के काल्पनिक एकाधिकारीवादी देश 'ओसेनिया' की भाषा के बारे में बताया गया है। 'ओसेनिया' में शासन की भाषा का अपना शब्दकोष है। उसके 'बी शब्दकोष' में 'कोई भी शब्द ऐसा नहीं है, जो वैचारिक रूप से निरपेक्ष हो'।

इसका मतलब है कि सारे शब्द मूल अर्थ से अलग अर्थ ध्वनित करने वाले हैं। जैसे जहां मजदूरों से बेगारी कराई जाए या जबरदस्ती काम कराया जाए उसको 'जॉयकैम्प' कहा जाता है और युद्ध के मंत्रालय को 'मिनीपैक्स' यानी मिनिस्ट्री ऑफ पीस (शांति का मंत्रालय कहा जाता है) यानी सारे शब्द देखने और सुनने में जैसे लगते हैं उनका अर्थ उसके बिल्कुल उलट होता है।

भारत में लोकलुभावन या विभाजनकारी भाषणों से जिन नेताओं का चुनाव जीतने का रिकॉर्ड बेहतर है उनके भाषणों या शासन की भाषा में 'प्रिंसिपल्स ऑफ न्यूस्पीक' की झलक बहुत साफ दिखाई देगी। मिसाल के तौर पर भारत सरकार किसानों को पांच सौ रुपया महीना देती है तो उसको 'सम्मान निधि' कहा जाता है। दिल्ली सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में महिलाओं को एक हजार रुपए महीने देने का फैसला किया तो इसका नाम 'महिला सम्मान योजना' रखा। झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार महिलाओं को 11 सौ रुपया महीना दे रही है तो उसे 'मइया सम्मान योजना' कह रही है। सोचें, किसानों को 17 रुपया रोज और महिलाओं को 33 रुपया रोज देने की योजना उनके सम्मान की योजना कैसे हो सकती है? लेकिन यही 'प्रिंसिपल्स ऑफ न्यूस्पीक' है कि आप भीख या दान दें और उसको सम्मान बताएं! भारत के समकालीन श्रेष्ठ कवियों में से एक राजेश जोशी ने एक कविता में लिखा है, 'कहावतें अर्थ से ज्यादा अभिप्राय में निवास करती हैं'।

सो, नेताओं की बातों के अर्थ नहीं, उनके अभिप्राय देखने की जरुरत होती है परंतु दुर्भाग्य से आम मतदाता इसे देख नहीं पाता है। उसे लगता है कि नेता उसके भले की बात कर रहे हैं, उसका जीवन आसान करने के लिए कुछ चीजें और कुछ सेवाएं मुफ्त में दे रहे हैं और उसके सम्मान, उसकी अस्मिता आदि की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन असल में ऐसा नहीं होता है। असल में अस्मिता के आधार पर विभाजन और तमाम लोकलुभावन घोषणाएं, आम मतदाता को ठगने की योजना ही होती हैं। यह नेता के ऊपर निर्भर होता है कि वह कैसे भाषा की जादूगरी से इसे लोगों तक पहुंचाता है और उनको अपने पक्ष में ले आता है। कुछ नेता इसमें दूसरों के मुकाबले ज्यादा माहिर होते हैं इसलिए उनको ज्यादा सफलता मिलती है।

अगर अभी चल रहे चुनावों की ही बात करें तो सभी पार्टियां समान रूप से लोकलुभावन घोषणाएं कर रही हैं और सब एक समान रूप से बांटने या जोड़ने की बात कर रहे हैं। अगर आप 'प्रिंसिपल्स ऑफ न्यूस्पीक' के बारे में जानते हैं तो आपको तुरंत समझ में आ जाएगा कि जो जोड़ने की बात कर रहा है वह भी असल में तोड़ने की ही बात कर रहा है। वह इसके लिए अलग शब्दावली का इस्तेमाल कर रहा है। 'बटेंगे तो कटेंगे' और 'जुड़ेंगे तो जीतेंगे' कहने वालों की मूल भावना में ज्यादा फर्क नहीं है। दोनों नारों को अर्थ से ज्यादा अभिप्राय में देखने की जरुरत है।

बहरहाल, महाराष्ट्र और झारखंड दोनों जगह घोषणाओं और गारंटियों पर चुनाव लड़ा जा रहा है। महिलाओं और युवाओं को नकदी बांटने की घोषणाएं की जा रही हैं। महिलाओं को सस्ता या मुफ्त गैस सिलिंडर देने के वादे हो रहे हैं। छोटे उद्यमियों को सस्ता या बिना ब्याज का कर्ज देने के वादे हो रहे हैं। रोजगार और नौकरियों की बहार लाने का ऐलान हो रहा है। फ्री बिजली और पानी की योजना को 'मुफ्त की रेवड़ी' बताने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पार्टी ने इस मामले में बढ़त बनाई हुई है। परंतु भाषा की जादूगरी देखिए कि प्रधानमंत्री अपनी पार्टी के हर उस काम का बचाव कर ले रहे हैं, जिसके लिए वे विरोधी पार्टियों की आलोचना करते हैं।

-शेष हाल-फिलहाल पेज पर

श्रुति व्यास

वहां के माहौल और हमारे देश में हाल में हुए आमचुनाव में एक चीज समान है - और वह है डर, खौफ। ....अमेरिकी चुनाव भी पिछली गर्मियों में हुए भारतीय चुनाव जितने ही विभाजनकारी हैं।

भारत और अमेरिकी चुनाव में समानता!

अगर आप अमेरिकी चुनाव पर नजर रखे हुए हैं तो महसूस हुआ होगा कि वहां के माहौल और हमारे देश में हाल में हुए आमचुनाव में एक चीज समान है - और वह है डर, खौफ।

संदेह नहीं खौफ से वोट मिल सकते हैं, सत्ता मिल सकती है, ग्लैमर और चमक-दमक मिल सकती है - लेकिन खौफ से समस्याएं हल नहीं होतीं। खौफ बहुत से अमेरिकी नागरिकों को घर से निकलकर अपना वोट डालने के लिए मजबूर करेगा। और यही खौफ कई अमेरीकियों को मतदान से दूर रहने के लिए भी मजबूर करेगा।

यह जाहिर हो रहा है कि अमेरिकी और ब्रितानी व यूरोप का मीडिया उत्साह से कमला हैरिस का समर्थन कर रहा है। जिन मशहूर लोगों को आप टीवी के परदे पर देखते हैं, जिन गायकों को आप शौक से सुनते हैं और जिन लेखकों को पढ़ते हैं -

वे सभी हैरिस की संभावित जीत को लेकर गदगद हैं। आपने यह भी देखा होगा कि टिम वाल्ज की रैलियों में लोगों में भरपूर उल्लास रहता है।

पर खौफ आपको लड़ने की ताकत देता है। ट्रंप के चार साल के शासनकाल और उसके बाद 6 जनवरी की राजधानी में हिंसा ख्याल आते ही डोनाल्ड ट्रंप के और चार साल के लिए सत्ता में आने की कल्पना मात्र से सिहरन पैदा हो जाती है। रोमांच गायब हो जाता है और डरे हुए लोग, आगे भी डरे रहने से बचने की जुगत में लग जाते हैं।

दूसरे खेमे में भी डर है। कमला हैरिस के राष्ट्रपति बनने पर कौन-कौन सी विकट स्थितियां बन सकती हैं, उनके बारे में बातें करके ट्रंप ने जनता में डर पैदा कर दिया है। वे कह रहे हैं कि विक्षिप्त अपराधियों उर्फ अवैध आप्रवासियों उर्फ पशुवत लोग अमेरिका को बरबाद कर चुके है, अमेरिका को दुबारा महान नहीं बनने देंगे। देश में अपराध और हिंसा बढ़ेगी, अमेरिका नस्लीय टकराव का शिकार होगा और श्वेतों का बोलबाला समाप्त हो जाएगा।

एक पक्ष हिंसा, प्रतिशोध और नफरत भरी बातें कर रहा है और दूसरा पक्ष समावेशिता, संतुलन और सद्भाव का वादा कर रहा है। एक तरफ है निरंकुशता और दूसरी ओर लोकतंत्र का संरक्षण। लेकिन खौफ दोनों तरफ है।

-शेष हाल-फिलहाल पेज पर

भोले-भाले किसान बंधुओं और प्रशासन की आंखों में झोंकी जा रही है धूल

अनुमति के नाम पर कृषि योग्य भूमि का अवैध रूप से हो रहा है दोहन, अंबाह बाईपास सड़क निर्माण में निर्माण कंपनी एमपी इंफ्राटेक नोएडा है, निर्माण एंजेसी व पोरसा रोड़ पर मिक्सर व लगा रखा स्टोर, प्लांट

भीमसेन सिंह तोमर

अंबाह। एक ओर राज्य सरकार व केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ावा देने औरअच्छे फसल उत्पादन के लिए यथासंभव प्रयास कर उनको आय को दोगुनी करने का वादा करती हैं वहीं दूसरी ओर बड़ी-बड़ी इंफ्राटेक कंपनियां भोले भाले किसानों के साथ धोखाधड़ी कर उनके भोले होने का फायदा उठाती है ताजा मामला अंबाह बाईपास में निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही मिट्टी के लिए किसानों के उपजाऊ भूमि खेतों से मापदंड विरुद्ध खेतों से उपजाऊ मिट्टी का उत्खनन किया जा रहा है निर्माण एजेंसी एमपी इंफ्राटेक लिमिटेड नोएडा कार्य कर रही है इसके बाईपास में मिट्टी भराव व वेड बनाने व निर्माण के लिए किसानों से सहमति और शासन से अनुमति के नाम पर अवैध रूप से उपजाऊ भूमि का दोहन किया जा रहा है जिसमें निर्धारित मापदंड अनुसार

अधिकतम 3 फीट तक उत्खनन कर सकती है लेकिन यहां पर एजेंसी में संलग्न ठेकेदारों के द्वारा 6-8फीट तक जमीन खोदकर उपजाऊ भूमि को नुक़सान किया जा रहा है और रात के अंधेरे में परिवहन किया जा रहा है जिससे कोई भी प्रशासनिक अधिकारी और समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण पर काम कर रही समाजसेवी संस्थाओं की नजरों से बच कर अपना काम बनता भाड़ में जाए किसान व उनकी उपजाऊ जमीन वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। आपके द्वारा जानकारी दी जा रही है कि अवैध रूप से माइनिंग या मिट्टी निर्धारित मापदंड विरुद्ध खेतों से मिट्टी उठाई जा रही है अगर कोई किसान आकर शिकायत करे हम बिल्कुल कार्यवाही करेंगे, सरकारी प्रोजेक्ट की आड़ में गलत काम कर रहे हैं तो उनके खिलाफ कार्यवाही जरुर होगी अरविंद कुमार माहौर एसडीएम अंबाह। कोई पोरसा के ठेकेदार काम कर रहे हैं और 3 फीट तक ही मिट्टी खोदी जा रही है और अनुमतिव किसान की सहमति लेकर ही खोद रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक श्री वीरेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम में सीएम हेल्पलाईन

लंबित शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु निर्देश दिए

संदीप प्रधान उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

पुलिस अधीक्षक श्री वीरेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को सीएम हेल्प लाइन की लम्बित शिकायतों के निराकरण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर सी.एम. हेल्पलाईन के तहत प्राप्त होने वाली शिकायतों/आवेदन पत्र/सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का शिविर लगाकर निराकरण करने के निर्देश दिये गये है। जिसमें राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि प्रतिदिन सीएम हेल्पलाईन से संबंधित शिकायतों की स्वयं समीक्षा करते हुए शिकायतकर्ता से विनम्रता पूर्वक चर्चा कर एवं उनकी जो भी शिकायत है उनपर वैधानिक कार्यवाही करते हुए शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित संतुष्टीप्रद निकाल करते हुये शिकायतकर्ता को की गई कार्यवाही से अवगत करायें।

साफ-सफाई की व्यवस्था बनाए रखना सभी लोगों की जिम्मेदारीः सीएमओ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । सुबह सब्जी मंडी स्टेशन रोड के किराना व्यापारी हाथ ठेला एवं,सब्जी बेचने वाले छोटू छोटे-छोटे विक्रेताओं से चर्चा की की आपको यहां से हटकर व्यापार मंडल अग्रेशन के सामने नाले के पर होकर जॉन नया निर्माण के तहत आपको वहां पर भेजा जाएगा आप आपस में चिन्हित कर ले कौन-कौन ठेला वाला है,तो यहां से ट्रैफिक व्यवस्था बहुत अवरोध होती है आम जनता को चलने में बहुत कठिनाइयां हो रही है,इस पर सहमति बनी जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील बाल्मीकि, मुख्य नगर पालिका अधिकारी यशवंत वर्मा,राहुल जैन मुख्य रूप से उपस्थित रहे एवं ठेला संघ के व्यापारी मौजूद रहे,साथ में राजेंद्र पार्क की स्वच्छता अभियान चलाया गया, स्वच्छ रहे भिंड शहर हमारा ना कचरा फेंकेंगे ना फेंकने देंगे सुबह-सुबह सुबह शाम लोग स्वच्छ वातावरण में पार्क में लोग एक्सरसाइज व्यायाम करने आते हैं इसलिए हमें पर को सभी को मिलकर आओ पार्क को स्वच्छ साफ और सुंदर बनाएं मुख्य रूप से लाला मेट रंजीत,श्याम सुंदर राजपूत ताले वाले,राजू किरण सोनू किराना मनोज कुमार जैन किरण राजेश शर्मा किराना राकेश जैन किराना टिंकू करना आकाश किरण रामू चाय की पत्ती सचिन प्लास्टिक दिनेश किराना सलीम प्लास्टिक अदनान चप्पल वाले दिलशाद क्रोकरी,बिट्टू सफाई कर्मचारी भिखारी लाल माली उपस्थित रहे।

झाँसी मंडल के टिकट बुकिंग आरक्षित/अनारक्षित काउंटर्स का हुआ शत प्रतिशत डिजिटलीकरण

पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड, दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में झाँसी मंडल यात्री सुविधाओं में निरंतर विकास के साथ-साथ डिजिटलाइजेशन की ओर ब? रहा है ढ्ढ मंडल के बुकिंग पार्सल बुकिंग व आरक्षण कार्यालय में अनारक्षित तथा आरक्षित टिकट की बुकिंग हेतु डिजिटल लेनदेन की शुरुवात तो पहले ही की जा चुकी है,अब मंडल के सभी स्टेशनों पर अनारक्षित खिड़की हो या आरक्षण ख़?की दोनों प्रकार के काउंटर पर डिजिटल भुगतान हेतु क्यू आर कोड सुविधा भी उपलब्ध करा दी गयी है ढ्ढ उक्त सुविधा क्रियान्वयन वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा के नेतृत्व में किया गया है,जिस पर उनके द्वारा विशेष बल दिया गया,उक्त सुविधा से यात्रियों को लेनदेन के दौरान होने वाली फुटकर पैसे आदि समस्याओं से स्थायी निदान मिल गया है,साथ ही टिकट खरीद और भुगतान राशी में कोई अंतर / भूल चूक जैसी संभावित समस्याएं भी ?त्म हो गयी हैं। उल्लेखनीय है,की उक्त सुविधा के उच्चतम प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंडल के झाँसी तथा ग्वालियर स्टेशन पर एक विशेष काउंटर चिन्हित किया गया है, जिस पर मात्र कैशलेस लेनदेन ही किये जा रहे हैं, जबकि मंडल के सभी स्टेशनों पर सभी काउंटर्स पर क्यू आर कोड सुविधा वैकल्पिक रूप से उपलब्ध है ढ्ढ उक्त सुविधा से यात्री को सिर्फ क्यू आर स्कैन करना होता है, जिसमें बाकी सभी डाटा जैसे राशि आदि पहले से ही उपलब्ध होता है,जिससे लेनदेन एकदम सटीक,बिना किसी भूल-चूक,पारदर्शिता के साथ संभव हो जाता है ढ्ढ जिसके साथ ही आप सभी यात्रिगन भारत सरकार के डिजिटल अभियान में अपना महत्वपूर्ण भागीदारी भी सुनिश्चित करते हैं।

दंदरौआ धाम में सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का शुभारंभ तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित हुई

उमाकान्त शर्मा, दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल दंदरौआ धाम में श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर महंत श्री रामदास जी महाराज के सानिध्य में सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर निव्या बंधन सर्वजातीय शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति की बैठक का आयोजन किया गया इस बैठक के आयोजन में प्रदीप राणा ने बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन में समाज के गरीब परिवारों के बेटे-बेटियों के विवाह संपन्न कराए जाएंगे। सम्मेलन में दहेज प्रथा जैसी समस्याओं से दूर रहकर गरीब परिवार अपने बेटे- बेटियों का विवाह करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि डॉ हनुमान जी महाराज के दरबार में विवाह संस्कार होना ही सौभाग्य है इस अवसर पर ओम पचौरी, प्रदीप राणा, संदीप राणा सहित अनेक लोग मौजूद रहे। दंदरौआ धाम में सामूहिक सर्वजातीय विवाह सम्मेलन के आयोजन के लिए कार्यालय में वर एवं वधू पक्ष की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया चालू है।

भगवान के नाम का सुमिरन ही भवसागर से पार करा सकता हैः स्वामी धीरेन्दराचार्य जी

पंकज त्रिपाठी ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । एसएएफ 17 वी बटालियन माता मंदिर प्रांगण पर आयोजित हो रही श्री राम कथा अमृत महोत्सव मैं कलश यात्रा के दौरान लगभग 1500 श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी कलश यात्रा में सभी संतो का शुभ आगमन हुआ। श्री राम कथा मैं व्यास जी महाराज के रूप में अनंत श्री विभूषित हनुमत द्वार पीठाधीश्वर जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी धीरेन्दराचार्य जी महाराज चित्रकूट धाम द्वारा श्री राम कथा का वाचन किया जा रहा है। कथा के प्रथम दिवस महाराज जी ने संबोधित करते हुए जन-जन को बताया कि श्री रामचरितमानस में सुंदरकांड के पाठ को करने मात्र से ही व्यक्ति बैकुंठ धाम को प्राप्त कर लेता है। रामायण के प्रसंग के दौरान श्री बाल्मिक महाराज जी की रचनाओं के बारे में सभी को बताया। सती माता की प्रसंग को सुनकर भक्तगढ़ मगन मुक्त हो गए, सती माता के त्याग को हर युग में याद किया जाएगा। श्री राम भगवान के चरित्र का संपूर्ण वर्णन किया गया।श्रीराम कथा का शुभारंभ करते हुए कहा कि रामकथा कलयुग में भगवत प्राप्ति का सबसे सरल साधन है, जो कानों के माध्यम से

व्यक्ति के मन में प्रवेश करती है। इससे भगवान की छवि मन में बैठ जाती है और भगवत दर्शन की लालसा पैदा करती है। इसी लालसा से ही रास्ता निकाला जाता है।उन्होंने राम नाम की महिमा बताते हुए कहा कि कलयुग में योग, यज्ञ ,जप, तप, व्रत, पूजा जैसे साधना के कठिन मार्ग संभव नहीं है। केवल भगवान के नाम का सुमिरन ही भवसागर से पार कर सकता है। भगवान के सहस्त्रनाम हैं और कोई भी नाम जपा जा सकता है। इसी प्रसंग में उन्होंने माता सती के अभिमान और बिन बुलाए

अपने पिता के यज्ञ में जाने और भगवान शंकर का अपमान होने पर योग अग्नि के द्वारा अपने शरीर को जलाकर भस्म करने की कथा सुनकर श्रोताओं का हृदय द्रवित हो गया उन्होंने भगवान शिव तथा सती के प्रसंग के माध्यम से राम कथा के महत्व का सुंदर वर्णन किया।

डिफेन्स पेंशनर के लिए स्पर्श जागरूकता कार्यक्रम

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

रक्षा पेंशनर्स जागरूकता एवं शिकायत निवारण शिविर का आयोजन जिला सैनिक बोर्ड इंदौर में 8 नवंबर 2024 को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा । शिविर का आयोजन रक्षा लेखा मुख्य नियंत्रक (पेंशन) प्रयागराज, रक्षा लेखा नियंत्रक (जबलपुर), जिला सैनिक बोर्ड इंदौर एवं स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (सेना) महू से श्री भानु बमनका ने बताया कि पेंशन जागरूकता एवं शिकायत निवाकरण शिविर में लाभार्थीयों को पेंशन प्रक्रिया से अवगत कराने के लिए स्पर्श सेवाओं का जीवंत प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही शिविर के दौरान संबंधित अधिकारी पेंशन संबंधी समस्याओं की सुनवाई कर उनका निराकरण करेंगे । उन्होंने रक्षा पेंशनरों से अधिक संख्या में शिविर का लाभ उठाने की अपील की ।

अनुज सिंह ठाकुर राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद रजि0 से जिला अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है

राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा मैं आज जिला ललितपुर मैं अनुज सिंह ठाकुर को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है और आशा करते हैं कि संगठन अनुज सिंह ठाकुर पूरे जिले में संगठन के उत्थान के लिए कार्य करेंगे और संगठन को ऊंचाई तक ले जाएंगे और हमेशा पत्रकारों के हो रहे उत्पीड़न में हमेशा तात्पर्य रहेंगे और उन्होंने कहा कि संगठन का जल्द ही विस्तार होगा।

बाल विवाह पर अंकुश लगाने प्रशासन ने शुरू की तैयारियां

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

देवउठनी एकादशी पर बाल विवाह रोकने के लिए प्रशासन ने तैयारिया शुरू कर दी है। ऐसे आयोजनों पर अंकुश लगाने जहां लोगों को जागरूक किया जा रहा है वहीं कार्यक्रमों में सेवाये देने वाले मैरिज हॉल, टैंट व्यवसायी, बैंड-बाजा, कैटर्स संचालकों के अलावा पंडित-मौलवियों को भी सख्त संदेश दिया जा रहा है। उनसे कहा गया है कि वैवाहिक आयोजन के पूर्व यह सुनिश्चित कर ले कि कही वर-वधु निर्धारित आयु से कम के तो नहीं है। यदि ऐसा पाया गया तो दोनों पक्षों के अलावा आयोजन कार्यरत सभी व्यक्तियों पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

दो वर्ष के दंड का प्रावधान-महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती भारती अवास्या ने बताया कि 11 एवं 12 नवम्बर 2024 को देवउठनी एकादशी का त्यौहार मनाया जायेगा। इस दिन बाल विवाह होने की संभावना बनी रहती है। बाल विवाह कानूनी अपराध है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अनुसार विवाह के लिये वधु की आयु 18 वर्ष एवं वर की आयु 21 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। इससे कम आयु की शादी बाल विवाह की श्रेणी में आती है। बाल विवाह कराने में शामिल या सहयोगी के रूप में सेवाये देने वाले मैरिज हॉल, टैंट व्यवसायी, बैंड-बाजा, घो? वाला, कैटर्स संचालकों के अलावा पंडित-मौलवियों को भी 02 साल की जेल की सजा हो सकती है।

गोपनीय रहेगी शिकायत- प्रशासन ने नागरिकों से बाल विवाह की सूचना देने की अपील की है। बाल विवाह की सूचना देने वाले रिश्तेदार, पडोसी या अन्य लोगों का नाम गोपनीय रखा जाएगा। इस तरह की शिकायत चाईल्ड लाईन नंबर 1098 के अलावा प्रशासनिक अधिकारियों के मोबाईल नंबर पर की जा सकती है।

कैमिस्ट्री में कैरियर की संभावनाओं पर व्याख्यान का आयोजन

अंबाह, मोरेना। अंबाह महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में शुक्रवार को कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें कैल्विन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई के फाउंडर श्री रविकांत उपाध्याय को बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया गया। श्री उपाध्याय ने ÷रसायन विज्ञान में कैरियर एवं प्लेसमेंट÷ विषय पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि रसायन विज्ञान में कैरियर की संभावनाएं विश्व स्तर पर हैं और इस क्षेत्र में काम करने के लिए छात्रों में क्षमता की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो केवल सही मार्गदर्शन की। श्री रविकांत उपाध्याय ने अंबाह महाविद्यालय से स्नातक डिग्री प्राप्त की है, इसके बाद उन्होंने जीवाजी विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री तथा शिव नादार यूनिवर्सिटी, नोएडा से नैनो रसायन में

शोध कार्य किया। वे अब तक 30 से अधिक शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित कर चुके हैं। अपने व्याख्यान के उपरांत उन्होंने महाविद्यालय के विद्यार्थियों का साक्षात्कार भी लिया और कुछ विद्यार्थियों को चेन्नई में कंपनी विजिट करने एवं कंपनी से जुड़कर करियर बनाने का आमंत्रण दिया। कार्यक्रम के समापन पर महाविद्यालय के डॉ. वी. के. जैन ने श्री उपाध्याय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि जहां पढ़े-लिखे युवा देशभर में नौकरी की तलाश में जाते हैं, वहीं आज यहां एक कंपनी के संस्थापक स्वयं रोजगार के अवसर लेकर आए हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय रसायन विज्ञान विभाग के समस्त प्राध्यापक सदस्य भी उपस्थित रहे।

संपादकीय

नशे के खिलाफ जंग

निश्चित रूप से पंजाब नशे की गंभीर चुनौती से गुजर रहा है। जिसके खिलाफ व्यापक पैमाने पर योजनाबद्ध अभियान वक्त की जरूरत है। सरकारें लंबे समय से इसके विरुद्ध कार्रवाई की बात तो करती रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कम ही बदलाव नजर आया है। फिलहाल पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ जारी कार्रवाई नई प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जाहिर बात है सीमा पार से शुरू किए गए छद्म युद्ध की कीमत पंजाब चुका रहा है, जिसने लंबे समय से पंजाब को जकड़ रखा है। पिछले दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 153 बड़े ऑपरेटरों सहित 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा भारी मात्रा में हेरोइन और अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। सतही तौर पर ये आंकड़े एक सराहनीय कार्रवाई को दर्शाते हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या की विकटता को देखते हुए ये आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं। वक्त की जरूरत है कि लगातार भयावह होती स्थिति में पुलिस को इस खेल की बड़ी मछलियों को बेनकाब करके नशे के प्रवाह पर रोक लगानी चाहिए। इसके बाद बड़े नशा तस्करों के खिलाफ व्यापक स्तर का अभियान चलाना चाहिए। जिससे समाज में यह संदेश जाए कि कोई कितना भी ताकतवर व्यक्ति क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है। साथ ही यह भी कि समाज विरोधी कार्यों में लिप्त होने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ऐसे तत्वों को राजनीतिक संरक्षण देने वाली ताकतों को भी बेनकाब करने की जरूरत है। हाल के दिनों में पंजाब ने स्थानीय तस्करों के साथ–साथ बड़े ड्रग नेटवर्क को लक्षित करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। जिसमें 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य नशीले पदार्थों के साथ–साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक ड्रग मनी जब्त की गई है। इन आपराधिक अभियानों की वित्तीय बुनियाद पर प्रहार करते हुए नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। हालांकि, अभी पर्दे के पीछे से काम करने वाले प्रमुख तस्करों को बेनकाब करने और कानूनन दंडित करने की सख्त जरूरत है। संदेश जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार का खात्म करना बेहद आवश्यक है। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। पाकिस्तान पोषित इस नशीले कारोबार की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब की पाकिस्तान से लगती सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए। जो वर्ष 2023 में बरामद 107 ड्रोन से कहीं अधिक हैं। पाक प्रायोजित यह तस्करी परिष्कृत तरीके से की जा रही है, जिसके खिलाफ सुनियोजित कार्रवाई जरूरी है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी–ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है।

आज का राशि फल

मेष :– भावुकता वश संबंधों में भावनात्मक शोषण की आशंका है। पूर्वाग्रह वश अपने निकटस्थ सम्बन्धों के बारे में गलत धारणा पालना ठीक नहीं। सम्बन्धों की मधुरता हेतु आपस में विास कायम करें।

बृषभ :– व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। परिश्रम से आर्थिक लाभ के योग हैं। अत्यधिक भावुकता से भावनात्मक शोषण की भी आशंका है। भौतिक जगत से प्रभावित मन भविष्य को लेकर चिन्तित होगा।

मिथुन :– किसी अचल सम्पत्ति क्रय हेतु प्रयत्न तीव्र। अपने भाग्य को कोसना छोड़ अपने समय का सकारात्मक दिशा में लगावें। मान–प्रतिष्ठा में बृद्धि तो होगी परन्तु इससे अभिमानी न बनें।

कर्क :– समाजिक मान–सम्मान व वर्चस्व में बृद्धि होगी। व्यावसायिक क्षेत्र के प्रतिभा में निखार आयेगा। आपके स्थितियों में आकस्मिक सुधार के आसार बन रहें। कल्पनाएं साकार होती नजर आएंगी।

सिंह :– नये कायरे में पूंजी निवेश हेतु धनाभाव अवरोधक होगा। आपमें दूसरों को आकर्षित करने की अभूतपूर्व क्षमता है इसका भरपूर लाभ मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी।

कन्या :– रोजगार के क्षेत्र में किये गये कर्म का फल सफलता का आगाज कर रहा है। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिन्तित होगा।

तुला :– प्रणय सम्बन्ध में केन्द्रित मन प्रियतम से मिलने के लिऐ ब्याकुल होगा। किसी खास मुद्दे को लेकर परिजनों के मतभेद का सामना करना पड़ेगा। प्रयासरत क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक :– अच्छे अवसरों का लाभ उठानें में सक्षम बनें। जीवन में नीरसता को कम करने के लिए मन को सकारात्मक दिशा देवें। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता से मन उत्साहित होगा।

धनु :– भावुकतावश किसी सम्बन्धी की बातें मन को कष्ट पहुचा सकती हैं। अपने अन्दर नए उर्जा की अनुभूति करेंगे। लेकिन बिगड़े हुए सम्बन्धों को सुधारने की चेष्ठा करें। कार्य क्षेत्र में नये आसारों से उत्साहित होंगे।

मकर :– उच्छृंखल व मजाकिया स्वभाव आस–पास के वातावरण में महत्ता तो बढ़ाएगा। रोजगार में अपनी स्थिति को लेकर मन में हीनता का वाश होगा। महत्वपूर्ण पारिवारिक दायित्वों के पूर्ति के आसार बनेंगे।

कुंभ :– परिवार में किसी की अस्वस्थता से मन चिन्तित होगा। परिवारिक जिम्मेदारियां मन को बोझिल करेंगी। कोई अवरोधित काम के प्रति मन विशेष रूप से चिन्तित होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में प्रयत्न सार्थक होगा।

मीनः– सरल व मिलनसार स्वभाव से संबंधों में लोकप्रिय होंगे। भौतिक सुख–साधनों की लालसा में व्यय के योग हैं। जीविका क्षेत्र में परिश्रम सार्थक होगा। भावना प्रधान मन जल्द ही दूसरों से प्रभावित हो जाता है।

मोदी की गलतबयानी

डॉ. दीपक पाचपोर

दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में यह भी पहली बार हो रहा है कि प्रधानमंत्री पिछले 10 वर्षों से लगातार गलतबयानी कर रहे हैं, फिर चाहे वह संसद हो या सार्वजनिक सभाएं चुनावी घोषणापत्र हो या प्रचार रैलियां– नरेन्द्र मोदी इस मामले में अपने उदाहरण स्वयं ही हैं।

किसी भी देश के लिये इससे अधिक शर्मनाक बात और कोई हो नहीं सकती कि उसका नेतृत्व करने वाले व्यक्ति पर मिथ्यामाषी होने का आरोप लगे। उस व्यक्ति के लिये भी यह उतना ही शर्मनाक होगा कि उसे अपनी कोई बात इसलिये वापस लेनी पड़े क्योंकि वह गलत साबित हो जाती है– चाहे वह किसी भी स्वरूप में क्यों न हो! दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में यह भी पहली बार हो रहा है कि प्रधानमंत्री पिछले 10 वर्षों से लगातार गलतबयानी कर रहे हैं, फिर चाहे वह संसद हो या सार्वजनिक सभाएं, चुनावी घोषणापत्र हो या प्रचार रैलियां– नरेन्द्र मोदी इस मामले में अपने उदाहरण स्वयं ही हैं। वे शायद भूल रहे हैं कि एक राष्ट्राध्यक्ष केवल कार्यपालिका प्रमुख नहीं होता वरन वह देश के मूल्यों, आदर्शों एवं नैतिकता का भी संरक्षक होता है। इस मोर्चे पर श्री मोदी ने इसलिये भारत को निराश किया है क्योंकि इस महादेश ने जिन मूल्यों पर चलकर आजादी पाई, यानी सत्य और अहिंसा, वे दोनों ही मटियामेट कर दिये गए हैं। हिंसा के प्रश्रय के बारे में अनुकूल अवसर पर चर्चा की जा सकती है लेकिन फिलहाल यह प्रसंग इसलिये उठ खड़ा हुआ है क्योंकि नरेन्द्र मोदी के एक बड़े असत्य कथन से देश शर्मसार है। उनकी भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और कार्यकर्ता–समर्थक लज्जित हैं या नहीं– यह तो वे ही जानें। मामला है मोदी द्वारा अपने ही एक ट्वीट को डिलीट करना जो उन्होंने प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के एक भाषण को सन्दर्भ बनाकर पोस्ट किया था। हाल ही में खरगे ने सलाह दी थी कि सरकारों को वे ही वादे करने चाहिये जो वे पूरा कर सकें। हमले का अवसर मानकर अपने एक्स हैंडल पर तत्काल मोदी ने इस आशय का ट्वीट किया कि कांग्रेस की सरकारें झूठे वायदे करती है। उन्होंने कांग्रेस शासित राज्यों के हवाले से कहा कि कांग्रेस की गारंटियां झूठी हैं और इन राज्यों की हालत बहुत खराब है। यह ट्वीट कर मोदी ने मानो बर्र के छत्ते में हाथ डाल दिया। इसका प्रत्युत्तर कांग्रेस के नेताओं ने देकर मोदी को इतना मजबूर कर दिया कि उन्हें एक्स पर से वह ट्वीट हटाना पड़ा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मोदी पर तंज कसा कि वे फिर से चुनावी मोड में आ गये हैं। खेड़ा ने बताया कि कर्नाटक सरकार ने पांच की पांच गारंटियां लागू कर दी हैं जबकि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा किये गये 10 में से पांच वायदे पूरे हो चुके हैं। वहीं तेलंगाना सरकार अपना रिपोर्ट कार्ड स्वयं केन्द्र को भेज चुकी है। कांग्रेस नेता यहीं तक नहीं रूके। उन्होंने मोदी से पूछ लिया कि अब वे बतायें कि उनके द्वारा किये गये कितने वादे पूरे हुए हैं। खेड़ा ने व्यंग्य किया कि श्लगता है मोदी अपने ट्रोल्स के फॉलोअर बन गये हैं परन्तु वे (ट्रोल्स) भी इतने खराब पोस्ट नहीं करते कि उन्हें अपने ट्वीट्स हटाने पड़ें।श मोदी को मशरूम छोड़कर बादाम खाने की सलाह देते हुए खेड़ा ने कहा कि इससे उन्हें अपने वादे याद आ जायेंगे। उन्होंने मोदी को 100 स्मार्ट सिटी, नमामि गंगा, महिला सुरक्षा, रुपये व पेट्रोल–डीजल की कीमतों को लेकर किये गये वादों की याद भी दिलाई। कांग्रेस पर वादाखिलाफी का ट्वीट करने तथा उसे डिलीट करने को लेकर स्वयं खरगे ने मोदी पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि श्झूठ, छल, जालसाजी, लूट और प्रचारश मोदी एवं उनकी सरकार को परिभाषित करते हैं। खरगे ने कहा कि 100 दिन के भीतर वादे पूरा करना मोदी का जुमला साबित हुआ है। इसके साथ ही कांग्रेसाध्यक्ष ने कहा कि इसी वर्ष की 16 मई को मोदी ने कहा था कि 2047 के लिये रोडमैप हेतु 20 लाख लोगों से इनपुट लिये गये थे। प्रधानमंत्री कार्यालय से जब सूचना के अधिकार के तहत इस बाबत जानकारी मांगी गई तो मोदी की वह बात भी झूठ साबित हुई है। श्री मोदी ने सत्ता में आने के लिये अनेक ऐसी मनगढंत बातें गढ़ी, जिन्होंने उन्हें गद्दी तक पहुंचाया। अब वे उसे बचाये रखने तथा लम्बे समय तक शासन करने के लिये अनेकानेक तरह के असत्यों का सहारा लेते हैं। खुद की छवि गढ़ने के लिये कभी वे खुद को चाय बेचने वाले गरीब बालक के रूप में प्रस्तुत करते हैं, तो कभी वे अपने को बहादुर बतलाने के लिये गांव के उस तालाब में तैरकर मंदिर का झंडा बदलने की बात करते है जो उस समय मगरमच्छों से भरा था। सच तो यह है कि किसी ने न उन्हें चाय बेचते देखा और न ही उस कथित तालाब का कोई अता–पता है। उनका दूसरा बड़ा झूठ अपनी पार्टी के समर्थन में कहा जाता रहा है जिसमें वे बतलाते रहे हैं कि उनकी पार्टी के शासन में लोकतंत्र स्थापित हुआ है और देश खुशहाल हो गया है। जबकि सच्चाई इसके विपरीत है। वे कांग्रेस को भ्रष्ट तथा देश विरोधी संगठन साबित करने के लिये बहुतेरे झूठ बोलते हैं। इसके लिये वे किसी भी हद तक जाते हैं, फिर वे चाहे पहले प्रधानमंत्री तथा राष्ट्र निर्माता जवाहरलाल नेहरू हों अथवा कोई परवर्ती प्रधानमंत्री। अपनी सत्ता तथा अपने कारोबारी मित्रों को बचाने में वे जो झूठ बोलते हैं उससे देश के भीतर नफरत और हिंसा का माहौल बना है। कांग्रेस पर हमले के लिए किए पांच में से एक ट्वीट भले ही श्री मोदी ने डिलीट कर दिया हो, लेकिन लोकतंत्र और संविधान तभी बचेगा, जब राजनीति से अनैतिकता डिलीट यानी मिटाई जाए।

दो में से क्या तुम्हें चाहिए मोहब्बत, या खौफ और नफरत

राम पुनियानी

भारत के औपनिवेशिक विरोधी संघर्ष के दौरान कई तरह के सकारात्मक सामाजिक बदलाव आए. इनमें से एक था हिन्दू–मुस्लिम एकताश और समी धर्मों के लोगों की भारतीय के रूप में एक समग्र पहचान का उदय. औपनिवेशिकता–विरोधी राष्ट्रवादी विचारधारा ने इसे प्रोत्साहित किया और इसके सर्वोत्तम प्रतीक थे महात्मा गांधी, जिन्होंने इसकी खातिर अपने खुले सीने पर तीन गोलियों का वार झेला. उन्होंने लिखा था, हमें केवल समझौता नहीं चाहिए, हमें चाहिए दिलों का मेल जो इस असंदिग्ध सोच पर आधारित हो कि भारत के हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच अटूट एकता के बिना स्वराज कभी न हासिल हो सकने वाला एक सपना बना रहेगा। हिन्दुओं और मुसलमानों में केवल युद्धविराम से काम चलने वाला नहीं है। दोनों के बीच शांति, परस्पर समय पर आधारित नहीं होनी चाहिए. यह एक बराबर लोगों के बीच भागीदारी होनी चाहिए, जिसमें दोनों एक दूसरे के धर्मों का सम्मान करें। इसके ठीक विपरीत, धर्म के मुखौटा पहने राष्ट्रवादी होने का दावा करने वाली शक्तियां न केवल उपनिवेश विरोधी संघर्ष में शामिल नहीं हुईं वरन् उन्होंने घृणा और विभाजन के बीज बोए और उन्हें खाद–पानी दिया. आरएसएस के द्वितीय सरसंघचालक गोलवलकर ने लिखा, श्जर्मन नस्ल का गौरव आजकल चर्चा का विषय है। अपनी नस्ल की शुद्धता और संस्कृति कायम रखने के लिए जर्मनी ने दुनिया को चौंकाते हुए देश से यहूदियों का सफाया कर दिया। यहां अपनी नस्ल का आत्मगौरव की सर्वोच्च भावना प्रदर्शित की गई। जर्मनी ने हमें यह भी दिखाया कि कैसे मूलभूत मतभेदों वाली नस्लों और संस्कृतियों का मिलन लगभग असंभव होता है, यह हिंदुस्तान के लिए एक समझने वाली और इससे लाभान्वित होने वाली बात हैश (व्ही, ऑर अवर नेशनहुड डिफाइंड, भारत पब्लिकेशन, नागपुर, 1939)। इसी सोच के चलते आरएसएस ने भारत में मुसलमानों और ईसाईयों के विरूद्ध घृणा फैलाने का अभियान चलाया। यह अभियान कई दशकों तक अधिक जोर नहीं पकड़ सका लेकिन वर्तमान समय में यह आम सामाजिक सोच का अहम् हिस्सा बनकर उभरा है, जिसके नतीजे में मुस्लिम–विरोधी हिंसा, उन्हें डराने, उनकी लिंचिंग करने और कई अन्य तरीकों से उन्हें सताने और नुकसान पहुंचाने का अंतहीन सिलसिला जारी है। इसके चलते समाज में वे अलग–थलग होकर सीमित दायरों में सिमट गए हैं और उनके दूसरे दर्जे का नागरिक बन जाने के हालात उत्पन्न हो गए हैं. यह प्रक्रिया अभी भी जारी है और भाजपा–आरएसएस के कई नेता नए–नए तरीके खोज कर घृणा को और गहरा करने में जुटे हुए हैं। वे जुबान पर आसानी से चढ़ने वाले नारों का इस्तेमाल कर मुसलमानों का दानवीकरण कर रहे हैं। श्उन्हें उनके कपड़ों से पहचाना जा सकता हैं, श्मशान–कब्रिस्तान और विभिन्न प्रकार के जिहादों की बात– वोट जिहाद जिनमें सबसे ताजा है – आदि–आदि के एक लंबी सूची है। ऊपर से उसके दो शीर्षस्थ नेताओं ने वर्तमान दौर में इस प्रक्रिया को शिखर पर पहुंचा दिया है। इनमें से एक हैं– गिरिराज सिंह, जो नफरत फैलाने वाले गिरोह के प्रमुख नेताओं में से एक हैं. हाल में उन्होंने कहा, श्यदि एक मुस्लिमध्घुसपैठिया तुम्हें एक तमाचा मारे, तो सबको मिलकर उसे 100 तमाचे मारने चाहिए. ..घर में एक तलवार, एक भाला और एक त्रिशूल रखो, उसकी पूजा करो, और यदि कोई आए, तो उससे अपनी रक्षा के लिए इनका इस्तेमाल करो... प्रसंगवश हमें राष्ट्रपिता याद आते हैं, जिन्होंने कहा था कि यदि कोई तुम्हें एक गाल पर तमाचा मारे तो तुम दूसरा गाल सामने कर दो। मैत्री और प्रेम गांधीजी की भारतीय राष्ट्रवाद की विचारधारा के दो अहम भाग थे लेकिन हिंदू राष्ट्रवाद हिंसा और नफरत मड़काकर इसके ठीक विपरीत दिशा में काम कर रहा है। मैत्री में कमी और नफरत में बढ़ोतरी की यह प्रक्रिया साम्प्रदायिक राष्ट्रवाद की राजनीति के समानांतर चलती रही है, विशेषकर बाबरी मस्जिद के ढहाए जाने और उसके बाद चलाए गए कई विभाजक अभियानों के दौरान। केन्द्र में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से आरएसएस से जुड़े विभिन्न संगठनों और विभाजक राष्ट्रवाद के मैदानी कार्यकताओं को यह लगने लगा कि वे बिना किसी डर के मनमानी कर सकते हैं। लगभग इसी समय समाज को विभाजित करने वाले एक और नेता योगी आदित्यनाथ, जो बुलडोजर (अ)न्याय के प्रणेता हैं, ने भी बटेंगे तो कटेंगे का नारा बुलंद किया है जिसका अर्थ है कि यदि हिंदू बंटे तो उनका कत्लेआम कर दिया जाएगा। इस नारे के कई आयाम हैं और हिंदू राष्ट्रवाद के शीर्षस्थ संगठन ने इसे अनुमोदित कर दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शनिवार (26 अक्टूबर, 2024) को उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विवादस्पद टिप्पणी –बटेंगे तो कटेंगे जिसके जरिए उन्होंने दावा किया कि यदि हिंदू बंटे तो मारे जाएंगे, का समर्थन कर दिया। आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि– हिंदुओं की एकता का आह्वान करने वाला यह नारा हमेशा से संघ का संकल्प रहा है। इसके कई पहलू हैं। पहला यह कि आरएसएस के रणनीतिकार यह मानते हैं कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के कमजोर प्रदर्शन की वजह यह थी कि दलित मतदाताओं का झुकाव इंडिया गठबंधन की ओर हो गया था जो सामाजिक न्याय की अवधारणा के पक्ष में दृढ़ता से खड़ा था और जिसने जाति आधारित जनगणना का समर्थन किया था। लेकिन यदि दलित और अन्य पिछड़े वर्ग इंडिया गठबंधन के साथ हो लेते हैं तो हिंदुओं का कत्लेआम किसके द्वारा किया जाएगा? इस नारे के अनुसार ऐसा मुसलमान करेंगे। लेकिन, इसके विपरीत पिछले 75 सालों से तो उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। संघ परिवार यहां 2024 में हुए जनांदोलन के बाद बांग्लादेश में हुई हिंदुओं की दुदर्शा का अप्रासंगिक मुद्दा भी उठा सकता है। पाकिस्तान तो हिंदुओं की दुर्दशा का ढोल पीटने के लिए हमेशा से एक सदाबहार उदाहरण रहा ही है। सभी भारतीयों का एक होना स्वतंत्रता आंदोलन का मुख्य बिंदु था। उपनिवेश विरोधी संघर्ष में भारतीयता हमारी एकता का प्रमुख आधार थी जो हमारे संविधान में भी प्रतिबिंबित होता है। 20वीं सदी के महानतम हिंदू, गांधी ने कभी हिंदुओं की एकता की बात नहीं कही। न ही मौलाना आजाद और खान अब्दुल गफ्फार खान ने कभी मुसलमानों की एकता का आह्वान किया। भाजपा को कतार में सबसे पीछे खड़े व्यक्ति के भले की कोई चिंता नहीं है। उसकी विचारधारा, क्रियाकलाप और बातें सभी एकताबद्ध भारत के विपरीत हैं। वह राहुल गांधी (आरजी) की मोहब्बत की दुकान वाली बात का मखौल बनाती है और राहुल गांधी के आरएसएस के नेताओं से मुलाकात न करने पर सवाल उठाती है। पलटकर यह सवाल किया जा सकता है कि आरएसएस क्यों आरजी से मिलना चाहती है? आरएसएस जानता है कि उसकी राजनीति नफरत (मुसलमानों, ईसाईयों और हिंदू राष्ट्रवाद के विरोधियों के प्रति) पर आधारित है, वहीं आरजी भारत के प्रेम और मैत्री के राष्ट्रीय चरित्र में प्राण फूंकने का प्रयास कर रहे हैं, जिन पर हमारे संविधान में जोर दिया गया है। आखिर राहुल गांधी की उन विचारकों से मुलाकात करने में दिलचस्पी क्यों होगी जिनके विचारों के खिलाफ वे अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं? यदि आरएसएस चाहता है कि राहुल गांधी उनसे मिलें, तो उसे अपनी विभाजक विचारधारा में आमूलचूल बदलाव करना पड़ेगा और भारतीय संविधान के मूल्यों को अपनाना पड़ेगा, जिसके केन्द्रीय मूल्य हैं भारतीय के रूप में हमारी आपसी एकता और धर्म की सीमाओं के परे आपसी भाईचारा। ठीक इसी वजह से गांधी के शिष्य नेहरू ने कभी आरएसएस को तरजीह नहीं दी। इसी वजह से इंदिरा गांधी ने आरएसएस प्रमुख बालासाहब देवरस के मुलाकात के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। आरएसएस का चरित्र ऐसा है कि वह अपने राजनीतिक विरोधियों के माध्यम से भी वैधता हासिल करना चाहता है।

नेहरू का साइंटिफिक टेंपर और कमला हैरिस की साइंटिस्ट मां!

शकील अख्तर

भारतीय मूल की कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी ने देर से और सेंकड च्वाइस में अपना उम्मीदवार बनाया। मगर उन्होंने रिपब्लिक डोनाल्ड ट्रंप को उस घबराई स्थिति में पहुंचा दिया कि वह कचरा उठाने वाले की ड्रेस पहनकर कचरे का ट्रक चलाने लगे। अगर कमला हैरिस जीत गई तो यह हो जाएगा वह हो जाएगा कह कर डराने लगे। यह पढ़कर आपको हमारे यहां के लोकसभा चुनाव और उसमें इस तरह के डराने वाले भाषण याद आ सकते हैं। अब पता नहीं ट्रंप हमारी राह पर चले हैं या हम जब ट्रंप का प्रचार करने अमेरिका गए थे चार साल पहले तब उनसे सीख कर आए हैं। बहुत समानता है। ट्रंप मैंस छीन लेंगे की तरह यह भी कह रहे हैं कि तुम्हारा स्टोव छीन लेगी। चुनाव हैं पता नहीं क्या होता है! 5 नबंबर को वोटिंग हो जाएगी। कमला हैरिस ने बहुत टफ फाइट दी है। और इस चुनाव को अमेरिका के इतिहास का सबसे नजदीकी मुकाबला माना जा रहा है। जीत हार का अंतर बहुत कम रहने का अनुमान है। मतदान बैलट पेपर से होता है रिजल्ट आने में समय लगेगा। हालांकि गिनती वोटिंग खत्म होने के तत्काल बाद शुरु हो जाएगी। और 5 नवंबर की रात, 6 की सुबह तक ट्रेंड मालूम चल जाएगा। जो भी हो! लेकिन चुनाव में आखिरी आखिरी तक दिलचस्पी बरकरार है। वोटिंग से ठीक पहले कमला हैरिस ने अपनी मां का एक फोटो ट्वीटर पर डालकर लिखा है 19 साल की उम्र में अकेली अमेरिका आई। उनकी मां श्यामला गोपालन। बस इतना ही। अमेरिकी भारतीयों को एक मैसेज कि कैसे भारत के लोग यहां आकर कामयाब बने। लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से एक मैसेज भारत भी आता है कि कैसे आजादी के बाद से भारत में स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में काम हुआ और यहां की अच्छी पढ़ाई से निकले छात्रों को बाहर विदेशों की यूनिवर्सिटी में जगह मिलीं। और साइंस सहित दूसरे क्षेत्रों में भारतीयों ने देश का नाम रोशन किया। कमला हैरिस की मां साइंटिस्ट थी। बायलोजी में काम था। 1958 में अमेरिका पहुंची थी। यहां कालेज पूरा करने के बाद। यह महत्वपूर्ण है। साइंस और शिक्षा सरकार के द्वारा देने की। आज दोनों चीजें खत्म की जा रही हैं। अंधविश्वास को बढ़वा देकर साइंस को कमजोर किया जा रहा है और प्राइवेट शिक्षा को बढ़ावा देकर मुफ्त और सस्ती मिलने वाली सरकारी शिक्षा को।लेकिन भारत का नाम विश्व में ऊंचा करने वाले सब यहां से सरकारी शिक्षा प्राप्त करके और विज्ञान चाहे उच्च शिक्षा में नहीं लिया हो मगर वैज्ञानिक चेतना लेकर बाहर गए। नेहरू ने आजादी के बाद अपना पहला भाषण नियति से साक्षात्कार ट्रिस्ट विद डेस्टिनी साइंटिफिक टेंपर को मूल आधार बना कर ही दिया था। आज हमारे प्रधानमंत्री के भाषणों से भक्त और मीडिया बहुत खुश होता है। उनके भाषणों की संख्या भी सब से ज्यादा होगी। मगर नेहरू का वह भाषण दुनिया के बेहतरीन भाषणों में शुमार होता है। विश्व के बड़े नेताओं के बीच उनके ऐतिहासिक भाषणों में ट्रिस्ट विद डेस्टिनी रखा जाता है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर, विंस्टन चर्चिल, महात्मा गांधी, नेल्सन मंडेला जैसे विश्व प्रसिद्ध लोगों के ऐतिहासिक भाषणों में नेहरू का भाषण इसलिए जगह पाता है कि उसमें वे भारतीयों में साइंटिफिक टेंपर वैज्ञानिक मिजाज पैदा करने की बात करते हैं। आपको बता दें कि भाजपा संघ के लोग जो सबसे ज्यादा हमला नेहरू पर करते हैं वे इसीलिए करते हैं कि नेहरू भारत में वैज्ञानिक मिजाज पैदा करना चाहते थे। यही विज्ञान और वैज्ञानिक समझ अंधविश्वास, झूठ, नफरत, अफवाहों की राह में सबसे बड़ा रोड़ा है। वैज्ञानिक मिजाज के बाद नेहरू की जो दूसरी सबसे बड़ी बात संघ भाजपा को तकलीफ देती है वह है उनका यह कहना कि अफवाहें देश की सबसे बड़ी दुश्मन हैं। दक्षिणपंथी, प्रतिक्रियावादी, सांप्रदायिक इन्दिरा गांधी यही कहती थीं इन्हें कि सबसे बड़ा हथियार तो यह अफवाहें ही हैं। पहले जुबानी फैलाते थे। अब दस साल से व्हाट्सएप के जरिए और मीडिया के भी। तो भारत के लोग नेहरू के बनाए उच्च शिक्षा संस्थानों, एम्स, आईआईटी, आईआईएम में पढ़े और बाहर गए। आज तो कहा जा रहा है कि जो हुआ 2014 के बाद हुआ। मगर बाहर जाने वाले तो सब 2014 से पहले पढ़ कर निकले। आज तो विदेशों में तीसरी पीढ़ी है। मगर इन सच्चाइयों पर झूठ का आवरण डालने की कोशिश करते हुए कहा गया कि 2014 से पहले भारत में पैदा होना शर्म की बात थी। अब चाहे वह कमला हैरिस की मां हों या इंग्लैंड के प्रधानमंत्री रहे ऋषि सुनक के पूर्वज सब 2014 के पहले ही भारत में पैदा हुए। और उन्हें आशावाद, प्रगति का वह माहौल मिला कि वे और ज्यादा तरक्की करने के लिए बाहर निकले। और राजनीति के अलावा बहुत सारे दूसरे क्षेत्रों में तो हजारों लोगों ने उच्च स्तर पर काम किया। कर रहे हैं। तो अब अमेरिका में मतदान है।

कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में नलजल योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न

रीवा। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में नलजल योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि जिले में हर घर में नल से पानी की आपूर्ति के लिए पीएचई विभाग तथा जल जीवन मिशन द्वारा नलजल योजनाओं का निर्माण किया जा रहा है। जिले भर में चार बड़ी समूह नलजल योजनाओं तथा अन्य छोटी योजनाओं से पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। निर्माण कार्यों से जुड़े अधिकारी तथा जल जीवन मिशन के अधिकारी समन्वय के साथ पाइपलाइन बिछाने का कार्य करें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि पाइपलाइन बिछाने के लिए कोई सड़क अथवा अन्य संरचना क्षतिग्रस्त न हो। साथ ही पाइपलाइन बिछाते समय भी निर्मित संरचनाओं को किसी तरह का नुकसान न पहुंचे। पाइपलाइन बिछाने के लिए जो सड़कें और नालियाँ क्षतिग्रस्त हो गई हैं उन्हें पीएचई विभाग तथा जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी 15 नवम्बर तक अनिवार्य रूप से सुधारें।

कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, भवन तथा अन्य निर्माण कार्य शुरू करते समय संबंधित विभाग जल जीवन मिशन तथा पीएचई विभाग से एनओसी अवश्य प्राप्त करें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि निर्माण कार्यों से पेयजल की पाइपलाइन को कोई नुकसान न हो। निर्माण कार्य शुरू होते समय पीएचई विभाग के तकनीकी अधिकारी भी मौके पर उपस्थित रहें। छोटी-छोटी गलतियों के कारण कई बसाहटों में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इसके कारण सीएम हेल्पलाइन तथा समाधान ऑनलाइन में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। नलजल योजनाओं के नियमित संचालन, हितग्राहियों से जल कर की वसूली तथा नल जल योजनाओं का रखरखाव जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी की जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने

कहा कि गोविंदगढ़ से टीकर तथा लक्ष्मणपुर मार्ग में क्षतिग्रस्त सड़कों का सुधार पीएचई एवं सड़क विकास निगम मिलकर करे। पेयजल की पाइपलाइन में मोटरपंप लगाने वालों को ग्राम पंचायत कठोरता से रोके। नलजल योजनाओं की निगरानी तथा जल कर की वसूली के लिए ग्राम पंचायतें स्वसहायता समूह अथवा युवाओं के समूह की सेवाएं ले सकती हैं। ग्राम पंचायतों द्वारा वसूल की गई राशि निर्धारित बैंक खाते में जमा कराएं। इस राशि से पंप आपरेटर के मानदेय का भुगतान करें। पूर्ण नलजल योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित कराकर उनसे पेयजल की नियमित आपूर्ति कराएं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नलजल योजनाओं के संचालन की हर सप्ताह समीक्षा करें। बैठक में प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती सपना त्रिपाठी ने कहा कि जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी 15 दिवस तक क्षतिग्रस्त सड़कों का सुधार करा लेंगे। ओवरहेड टैंक बनाने के लिए शेष बचे सभी 20 स्थानों में 10 दिवस में भूमि उपलब्ध करा दी जाएगी। बैठक में जिला प्रबंधक जल निगम चित्रांशु ने बताया कि कंदैला समूह नलजल योजना से 100 से अधिक गांवों में पानी की आपूर्ति नियमित रूप से की जा रही है। अब तक 46 गांवों से जल कर के रूप में 9 लाख रुपए से अधिक की राशि प्राप्त हो चुकी है। इसके अलावा अन्य 56 गांवों से भी जल कर की राशि प्राप्त हो रही है। बैठक में कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय ने बताया कि क्षतिग्रस्त सड़कों का सुधार तेजी से जारी है। तय समय सीमा में सभी कार्य पूरे कर लिए जाएंगे। अब तक 56 गांवों में सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। इनमें से अधिकांश में सुधार का कार्य कर लिया गया है। नलजल योजनाओं के संचालन के लिए विकासखण्ड स्तर पर शीघ्र ही बैठक आयोजित कर सभी कठिनाईयों को दूर किया जाएगा। बैठक में कार्यपालन यंत्री पीएचई मैकेनिकल डीएल कनेल, जल जीवन मिशन तथा पीएचई की तकनीकी अधिकारी एवं निर्माण कार्यों से जुड़े विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विभागीय उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश

रीवा। कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि सभी अधिकारी विभागीय उपलब्धियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। विभागों की 13 दिसम्बर 2023 से 30 नवम्बर तक की अवधि की उपलब्धियों का विवरण फोटो के साथ जनसंपर्क कार्यालय को उपलब्ध कराएं। इनमें साइबर तहसील, राजस्व महाअभियान, सीएम राइज स्कूल, रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, प्रधानमंत्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा तथा एयर एंबुलेंस सेवा की उपलब्धियाँ अनिवार्य रूप से दें। जल जीवन मिशन गौ संवर्धन तथा संरक्षण के प्रयासों, खाद्य सुरक्षा योजना प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, लाड़ली बहना तथा लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं महिला सशक्तिकरण के प्रयासों की भी जानकारी दें। नशे के विरूद्ध चलाए गए अभियान, पुनर्घनत्वीकरण योजना, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, आयुष्मान कार्ड योजना, सिंचाई सुविधा में विस्तार, एक जिला एक उत्पाद योजना, प्राकृतिक खेती, श्रीअन्न की खेती, उद्यानिकी फसलों में वृद्धि को भी इसमें शामिल करें। संभाग में पर्यटन स्थलों में सुविधाओं के विकास, समग्र स्वच्छता अभियान, राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आवास योजना, वनाधिकार अधिनियम, स्वामित्व योजना, आवासीय भू अधिकार योजना से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानी भी प्रकाशित कराएं। कमिश्नर ने कहा है कि उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र में वृद्धि, मछली पालन, मुर्गी पालन तथा पशुपालन विभाग की उपलब्धियों का भी प्रचार-प्रसार कराएं। सभी कलेक्टर साप्ताहिक टीएल बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करके विभागीय उपलब्धियों का संकलन कराकर जनसम्पर्क विभाग के माध्यम से नियमित प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें।

राज्यपाल श्री पटेल 9 नवम्बर को आएंगे रीवा

इंजीनियरिंग कॉलेज के हीरक जयंती समारोह के होंगे मुख्य अतिथि राज्यपाल रिवर फ्रंट का करेंगे लोकार्पण

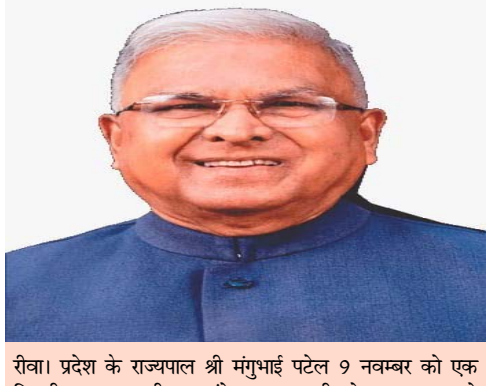

रीवा। प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल 9 नवम्बर को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा आएंगे। राज्यपाल श्री पटेल 9 नवम्बर को सुबह 9.45 बजे सूरत गुजरात से वायुयान से प्रस्थान कर सुबह 11.45 बजे रीवा एयरपोर्ट पहुंचेंगे। राज्यपाल दोपहर 12.10 बजे से 2.20 बजे तक सर्किट हाउस रीवा में रहेंगे। राज्यपाल श्री पटेल दोपहर 2.30 बजे शासकीय इंजीनियरिंग कालेज रीवा पहुंचकर कालेज के हीरक जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह के समापन के बाद शाम 4.10 बजे इंजीनियरिंग कालेज से प्रस्थान कर शाम 4.20 बजे बीहर नदी के बाबाघाट पहुंचेंगे। राज्यपाल श्री पटेल बाबाघाट में आयोजित समारोह में बीहर रिवर फ्रंट के प्रथम चरण के निर्माण कार्य का लोकार्पण करेंगे। राज्यपाल शाम 4.35 बजे कार्यक्रम स्थल से प्रस्थान कर 4.50 बजे रीवा एयरपोर्ट पहुंचेंगे। राज्यपाल शाम 4.55 बजे रीवा एयरपोर्ट से वायुयान से प्रस्थान कर शाम 6 बजे भोपाल पहुंचेंगे।

पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना के द्वारा जिला खरगोन मे दिशा लर्निंग सेंटर का किया वर्चुअल उद्घाटन

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

आयोजन मे पुलिस उप महानिरीक्षक निमाड रेंज खरगोन श्री सिद्धार्थ बहुगुणा एवं पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना रहे उपस्थित, पुलिस लाईन खरगोन मे स्थित है दिशा लर्निंग सेंटर, पुलिसकर्मियों के बच्चों को पड़ने एवं लर्निंग एनवायरनमेंट उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई कल्याणकारी योजना, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना के द्वारा भी की गई सेंटर मे उपस्थित छात्रों से चर्चा, छात्रों ने साझा किए अपने विचार, सेंटर मे पंजीकृत कई छात्र कर रहे है प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी

पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना के द्वारा पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवार के लिए कई कल्याणकारी योजना राज्य स्तर पर चलाई जा रही है, जिसके अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य के समस्त जिलों मे पुलिसकर्मियों के बच्चों एवं परिवारजनों के लिए पड़ने एवं लर्निंग एनवायरनमेंट उपलब्ध करने के उद्देश्य से ÷दिशा लर्निंग सेंटर÷ स्थापित किए गए है । इसी क्रम मे आज दिनांक 06 नवंबर 2024 को पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना के द्वारा पुलिस मुख्यालय भोपाल से वर्चुअली जुड़ कर इंदौर झोन के जिलों मे दिशा लर्निंग सेंटर का वर्चुअल उद्घाटन एवं लोकार्पण किया गया है । इस लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान जिला खरगोन मे पुलिस उप महानिरीक्षक निमाड रेंज खरगोन श्री सिद्धार्थ बहुगुणा एवं पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना उपस्थित रहे एवं भोपाल पुलिस मुख्यालय व अन्य जिलों से वर्चुअली जुड़े । पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के द्वारा जिला खरगोन के लर्निंग सेंटर मे उपलब्ध सुविधाओ जैसे छात्रों के लिए डेस्क, किताबे, कंप्युटर, वाईफाई कानेक्टिविटी, वातानुकूल कक्ष आदि सुविधाओ पर प्रकाश डाला गया । जिसके पश्चयात पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना के द्वारा सेंटेर मे उपस्थित छात्रों से चर्चा की गई व किन-किन क्षेत्रों मे तैयारी की जा रही है, उसकी जानकारी ली गई । दिशा लर्निंग सेंटर खरगोन मे कुल 86 छात्र/छात्राएं पंजीकृत है जो नीट, पीएससी आदि प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी कर रहे है जिसमे से कई छात्रों का चयन भी हुआ है । समय-समय पर सेंटेर मे मोटवैशनल स्पीकर, सब्जेक्ट एक्सपर्ट आदि के विड़िट भी कराए जाते है, जिससे छात्रों का मनोबल एवं पड़ाई मे रुचि बनी रहती है । उक्त कार्यक्रम के दौरान डीएसपी एजेके वर्षा सोलंकी, टीआई एजेके श्री रामलला मिश्रा, सूबेदार मुकेश हायरी उपस्थित रहे ।

सिख समाज ने जसपाल सिंह अरोरा के नेतृत्व में किए कनाडा सरकार एवं तथाकथित खालिस्तानियों के पुतले दहन

भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर एकत्रित होकर जताया विरोध, की नारेबाजी

भोपाल/सीहोर। सिख समाज ने जिला पंचायत सीहोर के पूर्व अध्यक्ष एवं गुरूद्वारा सिख सभा के संरक्षक जसपाल सिंह अरोरा के नेतृत्व में राजधानी भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर कनाडा सरकार एवं वहां के तथाकथित खालिस्तानियों के पुतले दहन किए। इससे पहले सिख समाज के लोग बड़ी संख्या में रोशनपुरा चौराहे पर एकत्रित हुए एवं कनाडा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तथाकथित खालिस्तानी आतंकवादियों को सरक्षण देने का विरोध जताते हुए पुतले दहन किए। इस दौरान कनाडा सरकार एवं तथाकथित खालिस्तानी आतंकवादियों को लेकर मुर्दावाद के नारे भी लगाए। इसको लेकर सीहोर जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष एवं गुरूद्वारा सिख सभा

के संरक्षक जसपाल सिंह अरोरा ने बताया कि कनाडा सरकार द्वारा कुछ देशद्रोहियों को खालिस्तानी नाम देकर एवं उन्हें आश्रय देते हुए हाल ही में कनाडा में हिन्दू मंदिरों पर हमला कराया गया। कनाडा सरकार लंबे समय से हमारे विरोधी देशों से मिलकर भारत के लिए गहरी साजिश कर रही है। श्री अरोरा ने कहा कि हिन्दू सनातन धर्म का सबसे मजबूत पंथ सिख पंथ में से कुछ लोगों को भड़काकर उन्हें खालिस्तानी नाम देकर उनके द्वारा कनाडा में एक तथाकथित आंदोलन भी चलाया जा रहा है। उसके विरूद्ध सिख समाज एकजुट होकर ऐसे असामाजिक तत्वों व कनाडा सरकार के पुतने दहन करेगा। श्री अरोरा ने बताया कि कनाडा सरकार खालिस्तानी आतंकवादियों को पनाह दे रही है। कनाडा सरकार खालिस्तानी आतंकवादियों को देश से बाहर निकाले। इस मौके पर सिख समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

केन्द्रीय जेल में न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के तहत विधिक साक्षरता शिविर सम्पन्न

रीवा। जिला विधिक सहायता अधिकारी तथा विधिक सहायता के माध्यम से नामांकित अधिवक्ता सुरेन्द्र सिंह, आनन्द पाण्डेय, अनीष कुमार पाण्डेय, सुश्री आरती तिवारी एवं मंजूर अहमद तथा भीम सिंह बघेल द्वारा न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के तहत केन्द्रीय जेल में परिरूद्ध महिला बंदियों के लिये विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जेल अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविर में कानून प्रक्रिया के प्रावधान एवं जेल में परिरूद्ध बंदियों को विधिक सहायता प्राप्त किए जाने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में लगभग 155 महिला बंदी लाभांवित हुई। विधिक सहायता शिविर को सफल बनाने में संजीव कुमार गेंदले, योगेन्द्र परमार श्याम सिंह कुशवाह, रतन कुमार गौतम का विशेष योगदान रहा।

पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के नवीनीकरण आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया प्रारंभ

आयुक्त, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण ने विभागीय जिला अधिकारियों को दिए निर्देश

रीवा। पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के मध्यप्रदेश ट्राइबल अफेयर्स एण्ड शड्यूल कॉस्ट वेलफेयर ऑटोमेशन सिस्टम (एमपीटीएएएस) पोर्टल पर नवीनीकरण आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण आयुक्त, श्री सौरभ सुमन ने नवीनीकरण आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने की प्रक्रिया प्रारंभ करने की जानकारी देते हुए पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सभी जिला अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी जारी किए है। आयुक्त, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण श्री सुमन ने विभागीय अधिकारियों से कहा है कि वह अपने जिले की संबंधित संस्थाओं को नवीनीकरण आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने की विधिवत सूचना दे और पात्र विधार्थियों के आवेदन पत्र भरवाना सुनिश्चित करें।

दलित कांग्रेस नेता नरेंद्र खंगराले की माताजी श्रीमती सुशीला देवी का निधन

भोपाल के अस्पताल में चल रहा है था इलाज

सीहोर। पूर्व पार्षद, दलित नेता एवं कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष नरेंद्र खंगराले की माताजी एवं स्वर्गीय श्री नेकराम खंगराले पूर्व पार्षद आर आई नगर निगम भोपाल की की धर्मपत्नी सुशीला देवी खंगराले जिनका विगत कई दिनों से भोपाल के अस्पताल में इलाज के चलते आकस्मिक निधन हो गया। जिनकी अंतिम शव यात्रा उनके नीचे निवास अंबेडकर नगर से आज दिनांक 6 नवंबर दिन गुरुवार को दोपहर 12:00 से निकलेगी। उनका अंतिम संस्कार मुरली श्मशान घाट पर किया जाएगा।

ग्राम पंचायत बरीखुर्द ब्लॉक तालबेहट के कोटेदार की राशन वितरण की अनियमितता की शिकायत प्राप्त हुई

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ग्राम पंचायत बरीखुर्द ब्लॉक तालबेहट के कोटेदार की राशन वितरण की अनियमितता की शिकायत प्राप्त हुई थी। दिनांक 5.11.2024 को प्रकरण की जांच सुनील कुमार पूर्ति निरीक्षक तालबेहट के द्वारा मौके पर जाकर की गई एवं शिकायतकर्ताओं से पूछताछ की गई जिसमें शिकायत सही पाई गई। साथ ही ग्राम पंचायत बरीखुर्द ब्लाक व तहसील तालबेहट के उचित दर विक्रेता की दुकान का औचक निरीक्षण भी किया गया।

के.पी.एस.पी.जी. कॉलेज ककरूआ में मिशन शक्ति योजनान्तर्गत पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यकम का आयोजन किया गया। कार्यकम का शुभारंभ

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

आज दिनांक 06.11.2024 को के0पी0एस0पी0जी0 कॉलेज ककरूआ में मिशन शक्ति योजनान्तर्गत पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यकम का आयोजन किया गया। कार्यकम का शुभारंभ कॉलेज की डॉयरेक्टर डॉ0 ललिता सुडेले एवं प्राचार्य डॉ0 राजेन्द्र प्रकाश ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया। डॉयरेक्टर डॉ0 लतिका सुडेले ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रत्येक मनुष्य को पर्यावरण के बारे में जागरूक होना अति आवश्यक है। क्योंकि मानव की सभी कियाओं का पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है। प्राचार्य डॉ0 राजेन्द्र प्रकाश ने अपने सम्बोधन में कहा कि पर्यावरण जागरूकता को परिभाषित करने के लिये हमें पर्यावरण संरक्षण आन्दोलन को समझना होगा। मिशन शक्ति प्रभारी प्रवक्ता निधि जैन ने कहा कि पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिये कई संसाधन उपलब्ध है। अतः हमें पृथ्वी को जीवन के अनुकूल बनाये रखने के लिये पर्यावरण संरक्षण करना आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता दीपक जैन ने किया एवं प्रवक्ता जगतराज ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में चीफ प्रॉक्टर प्रभांशु नगाइच, प्रवक्ता दिनेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता दीपक जैन, प्रवक्ता %रवीन्द्र सिंह, प्रवक्ता रानी देवी, प्रवक्ता छाया तिवारी, प्रवक्ता अनीता साहू, प्रवक्ता नेहा श्रीवास्तव, प्रवक्ता निधि जैन, प्रवक्ता ज्योति रानी, प्रवक्ता आसिफ खान,, प्रवक्ता पंकज पटैरिया, प्रवक्ता केहर राही, प्रवक्ता जगतराज प्रवक्ता राजकुमार पटेल, एंव कृषि प्रवक्ता भानू प्रताप सिंह घोष, कृषि प्रवक्ता अभिषेक शुक्ला, कृषि प्रवक्ता अमित, अंशुल तिवारी, डा0 देव शाक्य, डा0 अरविन्द, कृषि प्रवक्ता नीलू, प्रवक्ता पुष्पेन्द्र पुरोहित, राजेन्द्र रजक, सक्षम त्रिपाठी, राहुल जैन किशोर कुमार, शशि श्रीवास्तव, पुष्पेन्द्र, माता प्रसाद तिवारी, एंव छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

विद्या ही सबसे बड़ी विभूति है: आचार्य हेमंत कृष्ण

डोंडाघाट स्थित श्रीजी काम्प्लेक्स परिसर में श्रीमद् भागवत कथा जार

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। तालाबपुरा डोंडाघाट स्थित श्रीजी काम्प्लेक्स के परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में बरसाना धाम से पधारे प्रसिद्ध कथा व्यास आचार्य हेमंत कृष्णजी महाराज ने कहा कि शिक्षा से बड़ा कोई धन नहीं है, विद्या ही सर्वश्रेष्ठ विभूति है। जिसे प्राप्त करके हम समग्र संसार वंदनीय हो सकते हैं। विद्वान व्यक्ति सर्वत्र वंदित होता है। महाराजश्री ने बताया कि देवी लक्ष्मी सत्य की अनुगामिनी है और कीर्ति त्याग के बाद ही प्राप्त होती है। जब आप दसों इंद्रिय पर विजय प्राप्त करके दशरथ हो जाते हैं तो देवता भी आपका सानिध्य प्राप्त करने के लिए लालायित रहते हैं। धर्म पर चर्चा करते हुए पूज्यश्री बोले कि धर्म ऐसा हो जहां किसीको नीचा दिखाने की भावना ना रहे और भक्ति ऐसी हो जहां किसी प्रकार की कोई कामना ना रह जाए। श्री हरि पर हमारा अनन्यता से विश्वास होना चाहिए, जैसा विश्वास द्रोपदी,उत्तरा ध्रुव और प्रहलाद आदि का था। महाराज श्री बोले कि आपको

बड़ी सफलताएं तभी प्राप्त होंगी जब आप बड़े संकल्प लेंगे। अपनी योजनाओं को हमेशा प्रभु भाव से प्रेरित रखने पर श्रीगोविंद आपकी सहायता के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। कथा की आरती में मुख्य यजमान राकेश तामिया, अमन तामिया के अलावा श्रीमती गीता प्रभुदयाल तामियां, श्रीमती प्रिया अजय तामियां, श्रीमती निशी नीलांश तामियां, श्रीमती रितु विराज तामियां के अलावा रामस्वरूप तामियां, सीताराम तामियां, जगदीश तामियां, एड. राजेन्द्र तामियां, महेश तामियां, विनोद तामियां, मनीष तामियां रहे। जबकि व्यवस्था में सहयोगी के रूप में श्री रामलीला हनुमान जयन्ती महोत्सव समिति और श्री भारत सेवा मण्डल व्यायामशाला शामिल रहीं। इस कथा को सफल बनाने के लिए मनोरथी श्रीमती कविता राकेश तामियां ने लोगों से आह्वान किया है कि इस भव्य और दिव्य आयोजन में भागीदारी कर इसे सफल बनायें। इस दौरान पं.बृजेश चतुर्वेदी, श्यामकान्त चौबे, अजय प्रताप सिंह तोमर, डा.प्रबल सक्सेना, हरविंदर सलूजा, प्रभुदयाल तामिया, शिवकुमार शर्मा, अमित तिवारी, राजेश दुबे, अजय तामियां, छक्कीलाल साहू, अवधेश कौशिक, राजेंद्र ताम्रकार, चंद्रशेखर राठौर, धर्मेंद्र चौबे, विराज तामिया, मुन्नालाल त्यागी, महेश साहू, विनोद साहू, गौरी साहू, फूलचंद्र विश्वकर्मा, जगदीश सोनी, नीरज साहू, हरगोविन्द साहू, वृन्दावन यादव, दीपक यादव, कैलाश साहू, संतोष सोनी, प्रशान्त नामदेव, शोभा सोनी, मोनू सोनी, महेन्द्र यादव, वीरेन्द्र यादव, अभिषेक निरंजन इत्यादि के अलावा सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। उक्त श्रीमद् भागवत कथा का सीधा प्रसारण आचार्य हेमन्त कृष्ण ऑफीशियल के यू-ट्यूब चैनल पर किया जा रहा है।

किसान की आत्महत्या के मामले में दवंग पर गंभीर आरोप

ललितपुर। थाना बानपुर के ग्राम गंगचारी निवासिनी पीड़िता ने शिकायती पत्र में अवगत कराया कि पति थान सिंह पुत्र पार सिंह लोधी के नाम से ग्राम गंगचारी में भूमि थी कि उक्त भूमि को ग्राम सैदपुर के व्यक्ति द्वारा जबरिया रजिस्ट्री बैनामा करा लिया था उक्त भूमि में प्रार्थिनी के पति थान सिह द्वारा कुआ बन्दी व पेड़ आदि लगाये गये थे। कि उक्त भूमि कंचनौदा बांध के डूब क्षेत्र में आ जाने के कारण दवंग द्वारा कुटचरित्र कर कुआ बन्दी व पेड़ पौधे व मकान का मुआवजा सिंचाई विभाग के कर्मचारियों से मिलकर निकाल लिया जिसकी जानकारी मेरे पति थान सिंह को हुई तो थान सिंह व मैं एवं गाँव के कई सम्रान्त व्यक्ति धन्यकुमार के पास गये कि तुम्हारे द्वारा न तो कुआ बनाया गया है न ही पेड़ लगाये गये न ही मकान बनया गया न ही बन्दी करायी गयी तुमने सिंचाई विभाग के कर्मचारियों से मिलकर हमारे मुआवजे का रूपया निकाल लिया है। तुम पेड़ कुआ बन्दी मकान का मुआवजा दे दो तो उक्त सभी के सामने बोले कि मैं एक रूपया नहीं दूंगा थान सिंह को मरना है तो मर जाये। कि उसी दिन से मेरे पति थान सिंह चिन्ता में रहने लगे और न ही सही तरीके से खाना खाते न ही सही से सोते थे। कि दिनांक 29.10.2024 की शाम को खाना खाकर बोले कि दवंग रूपया नहीं दे रहा है मैं तो बरबाद हो गया हूँ अब मैं धन्यकुमार के पीछे अपनी जान दे दूंगा और थान सिंह ने रात में ही फांसी लगा ली सुबह हम लोगों को इसकी जानकारी हुई। कि थान सिंह की मृत्यु के बाद हमारे बच्चों की परवरिश करने वाला कोई नहीं है। मेरे छः छोटे छोटे बच्चे है। इनकी परवरिश करने वाला मेरे परिवार में कोई नहीं है। तत्काल उक्त घटना की जाँच कराकर उक्त के खिलाफ कार्यवाही की जाये एवं मेरे छोटे-छोटे बच्चों को परवरिश हेतु सरकारी सुविधा दिलायी जाये।

स्टेडियम में शासनादेश के विपरीत आयोजित की जा रहीं प्रतियोगितायें

अण्डर 18 के स्थान पर क्रिकेट खेल रहे 20 से 23 वर्ष के खिलाड़ी

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर जूनियर बालक -बालिका खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जूनियर बालक क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन में शासनादेश के अनुसार बालक खिलाडी की उम्र 18 वर्ष से कम होनी चाहिए, लेकिन जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में जूनियर बालक क्रिकेट प्रतियोगिता में 20 से 23 वर्ष तक के खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं, जिससे 18 वर्ष से कम उम्र के खिलाडी हतोउत्साहित हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर शासन के आदेश को ताक पर रखकर जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम के अधिकारी नियम विरुद्ध क्लब की टीमों को पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में कराये जा रहे क्रिकेट टूर्नामेंट में अधिकारियों द्वारा अनुमति दी जा रही है। जबकि शासनादेश है कि स्कूलों से इंटर तक के छात्रों को खेलने का मौका दिया जाए। लेकिन जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम के अधिकारी स्वयं के लाभ के लिए अन्य क्लबों कि टीमों को प्रतिभाग कराकर शासन की छवि धूमिल कर रहे है। इस सम्बन्ध में जब क्रीड़ा अधिकारी रेखा रावत से दूरभाष पर सम्पर्क किया गया तो उन्होंने वार्ता में यह स्वीकार किया कि कुछ विद्यालयों में टीम के अनुसार खिलाडियों की संख्या पूर्ण न होने पर कुछ खिलाड़ी जो कि अधिक उम्र के हैं को खिलाया जा रहा है। यह भी कहा कि वह जांच इस बात की करायेंगी कि कितने खिलाड़ी 18 वर्ष की आयु से अधिक होने पर भी खेल रहे हैं। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि शासन के मानक अनुरूप ही प्रतियोगितायें संपन्न करायी जायेंगी। यदि शासनादेश के विपरीत कोई लापरवाही पूर्ण प्रतियोगिता सम्पन्न करायी जा रही है तो उस पर कार्यवाही की जायेगी।

खेत के मकान पर रूके युवक से मारपीट

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्रांतर्गत ग्राम रजवारा में रहने वाले मंगल सिंह पुत्र मुलू कुशवाहा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती 5 नवम्बर को सुबह करीब सवा नौ बजे वह अपने खेत पर बने मकान पर था। तभी गांव के दीपू व जिहेन्द्र पुत्रगण वीरन और आकाश व प्रीतम पुत्रगण ज्ञान एकराय होकर आये और बिना कारण गालियां देने लगे। विरोध करने पर उक्त लोगों ने लात-घूसों व लाठी-डण्डों से मारपीट कर दी। शोरगुल सुनकर मौके पर उसके पिता मुलू, भतीजा विशाल पुत्र संतोष, भतीजी कलावती पुत्री संतोष, लक्ष्मी पत्नी खिलान आये और घटना को देखकर बीच-बचाव किया। आरोप है कि उसे काफी चोटें आयीं हैं और उक्त लोगों ने परिवार सहित जान से मारने की धमकी दी है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115 (2), 351 (3) व 352 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

ट्रक की टक्कर से छात्रा की मौत पर एफआईआर दर्ज

ललितपुर। कोतवाली तालबेहट क्षेत्रांतर्गत ग्राम भदौना निवासी राजेन्द्र दुबे पुत्र भवानीदास ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 19 वर्षीय पुत्री विधि दुबे जो कि 4 नवम्बर को अपराह्न 12 बजे हाई-वे स्थित पहलवान गुरूदीन कॉलेज से पढड़र अपने घर आ रही थी। तभी उसकी पुत्री टैक्सी से उतरकर रोंडा के पास हाई-वे से पैदल जाते समय सिंचाई विभाग के ऑफिस के सामने पीछे से आ रहे ट्रक संख्या एच.आर. 55 ए.एफ. 4835 ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी पुत्री की मौके पर ही मौत हो गयी।

हर पथ विक्रेता के पास होगा अपना फोटो पहचान पत्र

शहर को सुंदर व स्वच्छ बनाने के लिए डीएम की अनोखी पहल, वेंडिंग एवं नॉन वेंडिंग जोन के स्थल चयन हेतु ने किया पैदल भ्रमण, चार वेंडिंग जोन चिन्हित कर स्ट्रीट वेंडर्स को जल्द से जल्द विस्थापित करने के दिए निर्देश

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। नगर क्षेत्र में पथ विक्रेताओं/स्ट्रीट बैंडर्स को व्यवस्थित करने एवं वार्डों में वेंडिंग व नॉन वेंडिंग जोन के स्थल चयन हेतु जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने नगर के नदीपुरा मोहल्ले से रावतयाना प्रथम और द्वितीय में पैदल भ्रमण किया गया। बता दें कि शहर को सुंदर व स्वच्छ बनाने के लिए जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने एक नई पहल शुरू की है जिसके तहत नगर क्षेत्र में पथ विक्रेताओं/स्ट्रीट वेंडर्स को वेंडिंग जोन में व्यवस्थित कर यातायात को सुगम बनाया जाएगा। साथ ही स्ट्रीट वेंडर्स को एक फोटो युक्त आईडी देकर उन्हें चिन्हित भी किया जाएगा। इस पहल के अंतर्गत नगर पालिका परिषद द्वारा लगभग सभी वार्डों में स्ट्रीट वेंडर्स

को चिन्हित कर लिया गया है, जिनके विस्थापन हेतु वार्डों में वेंडिंग एवं नॉन वेंडिंग जोन हेतु स्थलों के चयन की कार्रवाई की जा रही है। इसी के क्रम में आज जिलाधिकारी ने नगर में पैदल भ्रमण कर पथ विक्रेताओं से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनी। भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने चार वेंडिंग जोन चिन्हित किए, जिनमे जल्द ही स्ट्रीट वेंडर्स कमेटी के माध्यम से विस्थापन की कार्यवाही की जाएगी। मौके पर ईओ द्वारा अवगत कराया गया कि पथ विक्रेताओं को व्यवस्थित करने के लिए नगर पालिका क्षेत्र के सभी वार्डों का सर्वे कर लिया गया है और क्रॉस वेरिफिकेशन भी करा लिया गया है। उक्त पथ विक्रेताओं को फोटो युक्त पहचान पत्र/प्रमाण पत्र उपलब्ध कराते हुए वार्डवार व्यवस्थित किया जाएगा, जिससे शहर में आवागमन की स्थिति प्रभावित नहीं होगी। उन्होंने यह भी बताया कि यदि वेंडिंग जोन में अत्यधिक भीड़भाड़ होती है तो ऐसी स्थिति में पथ विक्रेताओं को अन्य स्थान पर समायोजित किया जाएगा। इसके अलावा पथ विक्रेताओं को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि उनके द्वारा स्वच्छता मानकों का पूरा ध्यान रखा जाएगा व शहर को सुंदर वा स्वच्छ बनाने में पूरा सहयोग दिया जाएगा।

रैली के अंत में अतिथियों द्वारा रैली को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने में सराहनीय योगदान देने पर अनुदेशक स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा- श्याम किशोर, दीपक कुमार, कमलेश नामदेव, इमरान खान, प्रकाशचंद्र, राजेश प्रजापति, राजेश कुमार सेन, जाकिर खां, प्रमोद कुमार, ऊदल कुशवाह, रबिन्द्र कुमार, मानसिंह, प्रतिभा, मालती जैन, साजिद खां, नासिर खान, सुनील कुमार, जयकिशन, राजेश मिश्रा, दिनेश सिंह तोमर, अजय राजा, ऊदल कुशवाहा, जीवनलाल, राजेश कुमार, रामकुमार, मुनीन्द्र, अवधकिशोर आदि को मेडल एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। रैली में एआरपी भरत लाल चौरसिया-सुरेश कुमार, राजेश कुमार शर्मा, प्रा.शि.सं. ब्लॉक अध्यक्ष सरमन लाल, महामंत्री नरेश कुमार, रामसजीवन व्यास, यूटा ब्लॉक अध्यक्ष अमित कुमार श्रीवास्तव, पू.मा.शि.सं. ब्लॉक अध्यक्ष सुजान निरंजन, महामंत्री मनोहर नामदेव, एससीएसटी संघ ब्लॉक अध्यक्ष क्षमाधार प्रसाद, पू.मा.शि.सं. ब्लॉक अध्यक्ष यासीन खान, महामंत्री अनूप कुमार दुबे, मण्डल मंत्री बाबू सिंह राठौर, नोडल शिक्षक संकुल मड़ावरा हरिशंकर सोनी, चौरीसागर अनिल कुमार, रमजान खान नाराहट, पूरन लाल गिदवाहा, अब्दुल हमीद खान सौरई, सन्तोष कुशवाहा पारौल, उमाशंकर नामदेव गौना, पुष्पेन्द्र रावत, रामकिशोर, मो. जमील खान, अनुज दीक्षित, रविन्द्र निरंजन, राहुल देव वर्मा, राहुल कुमार, कैलाशचन्द्र जोशी, टीकाराम, प्रमोद नायक, अमित कुमार साहू, धर्मेन्द्र कुमार, जय सिंह, अनुपम गुप्ता, आशा देवी, नैना जैन, रहनुमा बानों, द्रोपती साहू, प्रतिभा, नाहिद परवीन, स्वाति जैन, मालती जैन, प्रीति सोनी, दीपा, नीरज वर्मा, पुरूषोत्तम विश्वकर्मा, रोहित, राजाराम, गजेन्द्र सिंह, प्रकाश साहू, अरमान खान, बालेन्द्र सिंह, मनोज कुमार जैन, कपिल पाल, प्रतीक दीक्षित, स्वास्थ्य विभाग से डॉक्टर प्रदीप वर्मा, हरेंद्र कुमार, रजनी पाल, राजालाल सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं, शिक्षामित्र, अनुदेशक, छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन इमरान खान, मनीष कुमार, पुष्पेन्द्र रावत द्वारा सामूहिक रूप से किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी के प्रति आभार खण्ड शिक्षा अधिकारी मड़ावरा नरेश कुमार रावत ने व्यक्त किया।

शरीर एवं मस्तिष्क को स्वस्थ्य रखने के लिये खेलकूद प्रतियोगिताएँ अतिमहत्वपूर्ण: ब्लॉक प्रमुख

जूनियर स्तर बालिका वर्ग खोखो में कंपोजिट डोंगरखुर्द टीम रही विजेता, जूनियर स्तर पर बालक वर्ग कबड्डी में कंपोजिट झरावटा टीम रही विजेता, विजेता छात्र-छात्राओ को शील्ड, मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर किया गया सम्मानित, रैली की कुशलतापूर्वक सम्पन्न कराने पर स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षकों को किया गया समानित ललितपुर। ब्लॉक स्तरीय मिनी बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन संकुल केन्द्र मड़ावरा के उच्च प्राथमिक विद्यालय पिपरट परिसर में किया गया। मिनी बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता की मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी मड़ावरा रश्मि यादव रहीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि क्षेत्राधिकारी मड़ावरा आरके श्रीवास्तव, ब्लॉक प्रमुख चन्द्रदीप रावत, खण्ड विकास अधिकारी मड़ावरा रमेश कुमार यादव, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रखवारा पुष्पेन्द्र सिंह यादव, चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रदीप वर्मा, प्रभारी सहायक विकास अधिकारी पंचायत आलोक दुवे, ग्राम विकास अधिकारी जीशान उस्मानी, ब्लॉक कॉर्डिनेटर विजय दुवे रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता खण्ड शिक्षा अधिकारी मड़ावरा नरेश कुमार रावत ने की। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा सरस्वती मां के चित्र पर पुष्पार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी मड़ावरा रश्मि यादव ने कहा कि बच्चों के लिये पड़ाई के साथ-साथ खेलकूद में जरूरी है, खेलों के माध्यम से भी कैरियर बनाया जा सकता है। कहा कि खेल मनोरंजन के साधन और शारीरिक दक्षता पाने के एक माध्यम के साथ-साथ लोगों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने और उनके बीच के संबंधों को अच्छा बनाने में भी सहायता करता है। इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से हम के माध्यम से हम स्वस्थ भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहें हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों ने राष्ट्र को हमेशा ही गौरवान्वित किया है। बुनियादी स्तर पर खेल संबंधी सुविधाएं यदि अच्छी मिलें और खेलों में लोगों द्वारा बड़-चड़ कर हिस्सा लिया जाये और खेल और शिक्षा का एकीकरण कर प्रारंभिक स्तर पर प्रतिभा को पहचान कर उसे निखारने का प्रयास निरंतर हो बहुत ही अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे । बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है उनकी रुचि की पहिचान कर उन्हें सिखाने एवं प्रेरित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों द्वारा बहुत ही उम्दा प्रदर्शन किया गया जो कि काबिले तारीफ़ है। सरकारी विद्यालयों के बच्चों में प्रतिभाओं का भंडार है। बच्चों की तैयारी में उत्कृष्ट योगदान पर उन्होंने बेसिक शिक्षा परिवार, शिक्षक-शिक्षिकाओं की प्रशंसा की और हर संभव सहयोग देने की बात कही।

ब्लॉक स्तरीय मिनी बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता की में विशिष्ट अतिथि-

ब्लॉक प्रमुख मड़ावरा चन्द्रदीप रावत ने कहा कि ग्रामीण परिवेश में प्रकृति की गोद मे बच्चों के सुंदर कार्यक्रम मन को छूने वाले हैं। उन्होंने कहा कि शरीर एवं मस्तिष्क को स्वस्थ्य रखने के लिये खेलकूद प्रतियोगिताएँ अतिमहत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि खेलकूद मानव जीवन के सर्वांगीण विकास के लिये अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ्य रहने एवं एवं खुशहाल जीवन के लिये खेलकूद जरूरी हैं। खेलकूद सभी के जीवन के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। मानव के समग्र विकास में खेलों की अहम भूमिका है। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। पीटी प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक विद्यालय जमुनियाखेरा टीम विजेता रही, पीएमश्री विद्यालय बमौरीकलां टीम उप विजेता रही। प्राथमिक स्तर 50 मीटर दौड़ बालक में हर्ष प्रा.वि. दिगवार प्रथम, 50मीटर बालिका वर्ग में जशोदा, प्राथमिक विद्यालय सोरई प्रथम, लोकनृत्य में पीएम श्री बमौरीकलां विजेता रही। लोकगीत में पीएमश्री बमौरीकलां विजेता, प्राथमिक स्तर दौड़ बालक वर्ग हर्ष प्राथमिक विद्यालय दिगवार प्रथम, 100 मीटर बालिका वर्ग दौड़ में गंगा, पीएमश्री बमौरीकलां प्रथम, दौड़ बालक वर्ग 200 मीटर में अनुराग प्राथमिक विद्यालय गिदवाहा प्रथम, प्राथमिक स्तर 200 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में पीएमश्री बमौरीकलां प्रथम, जूनियर स्तर दौड़ बालक वर्ग 100 मीटर में रोहित उच्च प्राथमिक विद्यालय सकरा प्रथम, 100 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में हिना कंपोजिट डोंगरखुर्द प्रथम, 200 मीटर दौड़ बालक वर्ग में रामजी उच्च प्राथमिक विद्यालय झांकर प्रथम, 200 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में चांदनी पीएमश्री बमौरीकलां प्रथम, सुलेख प्राथमिक स्तर में नीतू कंपोजिट तिसगना प्रथम, सुलेख जूनियर स्तर में ऋषि गोस्वामी, उच्च प्राथमिक विद्यालय गुढ़ाबुजुर्ग प्रथम, जूनियर स्तर बालक वर्ग दौड़ 400 मीटर में अजय उच्च प्राथमिक विद्यालय पीड़ार प्रथम, दौड़ बालिका वर्ग 400 मीटर में संगीता उच्च प्राथमिक विद्यालय इमलिया प्रथम, एकांकी में कन्या कंपोजिट मड़ावरा विजेता, समूहगान में कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय नाराहट प्रथम, जूनियर स्तर पर बालक वर्ग कबड्डी में कंपोजिट झरावटा टीम विजेता रही।

Munjya फेम

शरवरी वाघ

के हाथ लगा 360 करोड़ का प्रोजेक्ट, इस एक्ट्रेस का भी लगा जैकपॉट

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान इंडस्ट्री का नामी चेहरा हैं और उन्हें बॉलीवुड के नवाब के तौर पर जाना जाता है. वे कई फिल्मों का हिस्सा रहे हैं और पिछले कुछ समय से वे अलग-अलग कैरेक्टर्स को एक्सप्लोर कर रहे हैं. सैफ ने यूं तो कई हिट फिल्मों में काम किया है लेकिन अब तक उनके करियर की अगर सबसे सक्सेसफुल फिल्म की बात करें तो वो रेस ही है. रेस एक सफल फ्रेंचाइज है. फिल्म का पहला पार्ट बहुत पसंद किया गया था. इसके दूससे पार्ट ने भी अच्छा कलेक्शन किया था. वहीं रेस 3 में सलमान खान उस मैजिक को दोहरा नहीं पाए थे लेकिन फिल्म मुनाफा कमा ले गई थी. अब अपने करियर की सबसे बड़ी फ्रेंचाइज में सैफ वापसी कर रहे हैं और वे इसमें सलमान खान जैसे सुपरस्टार को रिप्लेस कर रहे हैं. इस फिल्म में लीड एक्ट्रेस कौन होगी इसको लेकर भी नया अपडेट आया है.मौजूदा समय में अगर किन्हीं दो एक्ट्रेस को सबसे ज्यादा फिल्में मिल रही हैं तो वो हैं तृप्ति डिमरी और शरवरी वाघ. अब मुंज्या फिल्म की एक्ट्रेस शरवरी वाघ को एक और फिल्म मिल गई है. अब वे सैफ अली खान के साथ बड़ी फ्रेंचाइज का हिस्सा बन गई हैं. रिपोर्ट में ऐसा सामने आया है लेकिन अभी इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है. दोनों ही एक्ट्रेस काफी टैलेंटेड हैं और मेकर्स इन्हें रेस 4 टीम का हिस्सा बनाने को लेकर काफी एक्साइटेड हैं. बात फाइनल स्टेज पर पहुंच गई है और अब कभी भी इस फिल्म की कास्ट को लेकर कन्फर्मेशन आ सकता है.

रेस फिल्म फ्रेंचाइज का बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड कैसा रहा है?

रेस फिल्म की बात करें तो ये फिल्म साल 2008 में आई थी और इसने 103 करोड़ रुपये की कमाई की थी. ये एक रिकॉर्ड था. उस समय किसी भी फिल्म के लिए 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई करना बड़ी बात मानी जाती थी. फिल्म में अक्षय खन्ना भी थे. इसके बाद फिल्म का दूसरा पार्ट आया. ये भी फैंस ने काफी पसंद किया. दूसरा पार्ट 2013 में आया था और इस फिल्म ने 180 करोड़ रुपये की कमाई की थी. ये आंकड़े भी शानदार थे और फिल्म को अपने पहले इंस्टालमेंट की सक्सेस का फायदा मिला था.

अमिताभ बच्चन

की वो बात जो वरुण धवन जिंदगी भर याद रखेंगे

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन अपनी आने वाली सीरीज Citadel:Honey Bunny को लेकर सुर्खियों में हैं. वरुण के साथ इस सीरीज में समांथा रुथ प्रभु भी नजर आने वाली हैं. सीरीज का एक्शन पैक्ड ट्रेलर सामने आने के बाद से लोगों को इसका काफी इंतजार है. सीरीज के ट्रेलर में वरुण और समांथा दमदार एक्शन करते नजर आ रहे हैं. सीरीज को राज और डीके ने डायरेक्ट किया है. अब सिटाडेल: हनी बनी के प्रमोशन के लिए वरुण अमिताभ बच्चन के शो केबीसी पर पहुंचे.

कौन बनेगा करोड़पति के 16वें सीजन को लोग काफी पसंद कर रहे हैं. सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे सोनी टीवी पर टेलिकास्ट होने वाले इस शो में कई सेलिब्रिटी आए हैं. आने वाला एपिसोड दिवाली स्पेशल होने वाला है ऐसे में इस बार एपिसोड में वरुण धवन, निर्देशक राज और डीके के साथ केबीसी के मंच पर दिवाली मनाते नजर आएं गे. साथ ही वरुण ने अमिताभ से कुछ पेरेंटिंग टिप्स भी लिए.

सामने आया एपिसोड का प्रोमो

सोनी चैनल के सोशल मीडिया हैंडल पर प्रोमो ने पहले ही दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता पैदा कर दी है. इस एपिसोड में वरुण धवन और अमिताभ बच्चन जमकर मस्ती करते नजर आ रहे हैं. इस दौरान वरुण, बिग बी से अपने निजी जीवन और पिता बनने की खुशियों के बारे में दिलचस्प बातचीत करते नजर आएंगे. वरुण और उनकी पत्नी नताशा अभी कुछ महीनो पहले ही एक बेटी के माता-पिता बने हैं, ऐसे में वरुण ने बिग बी से अच्छी पेरेंटिंग टिप्स लीं.

अमिताभ से वरुण की बातचीत

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमिताभ, वरुण धवन से उनकी बेटी के बारे में पूछते हैं. वो पूछते हैं, ये दिवाली आपके लिए बेहद खास है क्योंकि देवी लक्ष्मी खुद आपके घर आई हैं. क्या आपने उसका नाम सोचा है? वरुण मुस्कुराते हुए जवाब देते हैं, हां, हमने सोचा है, हालांकि हमने अभी तक इसे शेयर नहीं किया है. मैं अभी भी उससे जुड़ना सीख रहा हूं- यह वैसा ही है जैसा आपने कहा कि जब एक बच्चा घर आता है, तो सब कुछ बदल जाता है.

अमिताभ ने दिए खास टिप्स

इसके बाद वरुण ने बिग बी से उनके पहली बार पिता बनने के अनुभव के बारे में पूछा. वरुण ने पूछा कि क्या वो उस समय पूरी नींद ले पाते थे या नहीं? वरुण के जवाब में बिग बी ने कहा कि हम सोने में कामयाब रहे, लेकिन हमेशा थोड़ी चिंता बनी रहती थी कि सब ठीक तो है ना. उस समय, एक नया गैजेट आया था, आप इसे बिस्तर के पास रखते थे, और अगर बच्चा थोड़ी सी भी आवाज करता, तो यह हमें बता देता था तो ये गैजेट काम आया! आगे बिग बी ने कहा, यहां एक गोल्डन रूल है कि अपनी पत्नी को खुश रखें. अगर वह खुश हैं, तो बाकी सब ठीक हो जाएगा, और जब वह खुश होंगी, तो आपकी बेटी भी खुश रहेगी.

दिलजीत दोसांझ पर भद्दे कमेंट करने वाले इस इन्फ्लुएंसर को अदनान सामी ने धो डाला

हाल ही में पंजाबी एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ अपने कॉन्सर्ट के लिए दिल्ली आए थे. उनका कॉन्सर्ट 'दी-लूमिनाती' लोगों को काफी पसंद आया था. जो-जो कॉन्सर्ट में गएज्जमकर नाचे. इतना नाचे की अगले दिन जेएलएन स्टेडियम जहां ये कॉन्सर्ट हुआ था, वहां का नजारा देखने लायक था. कई कुर्सियां टूटी पड़ी थीं, कई जगह सड़ा हुआ खाना पड़ा था. हालत इतनी खराबह थी कि कॉन्सर्ट दिलजीत के लिए कम और कॉन्सर्ट के बाद के हालातों के चक्कर में ज्यादा याद रखा जाएगा. खैरज्ब्रिटिश-अमेरिकी इन्फ्लुएंसर एंड्रयू टेट ने एक रेसिस्ट कमेंट किया.ब्रिटिश-अमेरिकी इन्फ्लुएंसर एंड्रयू टेट ने एक रेसिस्ट कमेंट किया. दिलजीत के इस कॉन्सर्ट के बाद कई तरह के विवाद खड़े हो गए हैं. ऐसा ही एक विवाद सोशल मीडिया पर सामने आया.सिंगर दिलजीत के कॉन्सर्ट में आए लोग उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब थे, लेकिन एक कपल ऐसा था जिसको केवल दिलजीत की झलक ही नहीं बल्कि उनकी जैकेट भी मिल गई. कॉन्सर्ट में शामिल सबके लिए ये रात बेहद खास थी क्योंकि उनके सामने उनका फेवरेट सिंगर परफॉर्म कर रहा था, पर एक महिला के लिए ये रात सबसे स्पेशल साबित हुई क्योंकि दिलजीत ने परफॉर्म करते हुए अपनी जैकेट उस महिला को गिफ्ट कर दी. दिलजीत के इस जेस्चर से जितना खुश वो महिला नहीं हुई, उससे कहीं ज्यादा उनके पति हो गए.

एंड्रयू टेट का रेसिस्ट कमेंट

दिलजीत की जैकेट पाकर महिला का पति फूट-फूटकर रोने लगा. ये क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गई. क्लिप वायरल हुई तो लोग बातें करने लगे. लोगों ने कहा कि शायद कॉन्सर्ट के सारे पैसे वापस मिल गए. इन्हीं कमेंट के बीच एक ऐसा कमेंट था जिसने हर किसी को चौंका दिया. दिलजीत के इस वीडियो पर ब्रिटिश-अमेरिकी इन्फ्लुएंसर एंड्रयू टेट ने एक रेसिस्ट कमेंट किया. उनके इस तरह के कमेंट पर सिंगर अदनान सामी ने उन्हें करारा जवाब दिया है.

अदनान सामी का करारा जवाब

टेट ने अपने कमेंट में लिखा, 'मैं शर्त लगा सकता हूं कि इस जैकेट से करी की बदबू आ रही होगी'. वो यहीं नहीं रुके, आगे उन्होंने तंज भरे अंदाज में लिखा 'ऑडियंस में कोई भी रेपिस्ट तो नहीं?' उनके इस भद्दे कमेंट पर सिंगर अदनान सामी ने उनको तगड़ा जवाब दिया. अदनान ने कहा, 'गलतज्इस जैकेट से केवल प्यार कि खुशबू आती है और सबसे अच्छी बात ये है कि ऑडियंस में से कोई भी आपकी तरह रेपिस्ट और चाइल्ड ट्रैफिकिंग का आरोपी नहीं है या फिर अपराधी नहीं है जो वाकई एक खराब बात है'. बात करें एंड्रयू टेट कि तो एंड्रयू ब्रिटिश-अमेरिकी इन्फ्लुएंसर हैं जिनपर बलात्कार, मानव तस्करी और महिलाओं का यौन शोषण करने के लिए ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप बनाने का आरोप है.

8 स्टार्स वाली 'सिंघम अगेन' कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3' को मात नहीं दे पाई, विदेशी कमाई ने उड़ाए होश

'भूल भुलैया 3' और 'सिंघम अगेन' के बीच क्लैश का बज़ लंबे वक्त से बना हुआ था. ज्यादातर ट्रेड पंडितों का मानना था कि 'सिंघम अगेन' 'भूल भुलैया 3' पर भारी पड़ेगी. घरेलू बॉक्स ऑफिस पर तो 8 स्टार्स वाली अजय देवगन की फिल्म ने कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3' से कुछ करोड़ ज्यादा का कारोबार करने में कामयाबी हासिल कर ली, लेकिन विदेशों में ऐसा नहीं हो पाया है.सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक ओवरसीज बॉक्स ऑफिस पर 'सिंघम अगेन' और 'भूल भुलैया 3', दोनों ने ही लगभग एक जैसा कारोबार किया है. दोनों ही फिल्मों ने करीब 30 करोड़ रुपये का बिज़नेस किया है. पर ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं, क्योंकि 'सिंघम अगेन' में जिस तरह की स्टारकास्ट है, उससे साफ था कि घरेलू बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ ओवरसीज़ में भी अजय की फिल्म कार्तिक की पिक्चर से आगे रहेगी. पर ऐसा हो नहीं सका है.

'सिंघम अगेन' और 'भूल भुलैया 3' वर्ल्डवाइड कलेक्शन

'सिंघम अगेन' ने पहले वीकेंड पर दुनियाभर में 176.10 करोड़ रुपये (ग्रॉस) का कारोबार किया है. वहीं 'भूल भुलैया 3' 157.20 करोड़ रुपये (ग्रॉस) का बिज़नेस करने में कामयाब रही है. कुल मिलाकर इन दो फिल्मों ने तीन दिनों में वर्ल्डवाइड 325 करोड़ रुपये बटोरे हैं.

अनुज सिंह बने राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जिलाध्यक्ष

ललितपुर। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा अनुज सिंह संगठन का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्होंने आशा जताई कि अनुज सिंह ठाकुर पूरे जिले में संगठन के उत्थान के लिए कार्य करेंगे और संगठन को ऊंचाई तक ले जाएंगे और हमेशा पत्रकारों के हो रहे उत्पीड़न में हमेशा तत्पर रहेंगे। मनोनयन पर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अनुज सिंह ठाकुर ने कहा कि वह पत्रकारों के हक में कार्य करते रहेंगे सोशल मीडिया पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी और शीघ्र ही संगठन का विस्तार कर कार्यकारिणी गठित की जायेगी।

क्योंकि हर बच्चा अलग है

बच्चों को लेकर माता-पिता का फिक्र करना स्वाभाविक है, पर इस बात को लेकर बहुत अधिक परेशान होना भी ठीक नहीं है। माना कि बच्चों की परवरिश बड़ी जिम्मेदारी है और आप इस कसौटी पर खरा उतरना चाहती हैं, पर बहुत अधिक फिक्र और बात-बात में टोकने की आदत बच्चों को आपसे दूर कर सकती है, इसलिए इस मामले में बहुत अधिक कॉन्शस होने के बजाय कुछ बातों का खास ध्यान रखें

याद रखें, अगर कोई तरीका आपकी दोस्त के बच्चों की परवरिश में कारगर साबित हुआ है तो इसका यह अर्थ नहीं कि आपके बच्चे के मामले में भी वह सही ही साबित होगा। माता-पिता हमेशा कहते हैं कि हमारा बच्चा दूसरे बच्चों से अलग है। जब ऐसा है तो जाहिर है कि उसकी परवरिश में वे नियम लागू नहीं हो सकते, जो दूसरे अभिभावक अपने बच्चों के साथ अपनाते हैं, इसलिए बच्चों की परवरिश के मामले में किसी की नकल करने से पहले उसके सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के बारे में भली प्रकार से सोच-विचार कर लें। इसके बाद अपनी जरूरत के हिसाब से फैसला करें।

सही बात पर हो फोकस

हम सभी जिंदगी में छोटी-छोटी बातों को लेकर परेशान होते हैं, पर इस चक्कर में उन बातों को भूल जाते हैं जिन पर वास्तव में ध्यान देना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को लगातार टोकते रहना ठीक नहीं। बच्चों से थोड़ी- बहुत गलतियां होना स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए, सामान को करीने से रखने के बजाय वे उसे इधर- उधर रख देते हैं। हो सकता है कि आप उनसे कोई काम करने को कहें और वे उसे पूरा करने के चक्कर में काम औ र बढ़ा दें। इसके लिए उन्हें बुरी तरह डांटना ठीक नहीं है। इससे कोई फायदा होने वाला नहीं है। उतेजित होने से काम नहीं चलेगा, धैर्य रखते हुए बच्चों को अनुशासन सिखाएं। उन्हें बतायें कि किसी काम को करने का सही तरीका क्या है।

अनावश्यक बोझ ठीक नहीं

आप चाहेंगी कि आपका बच्चा सबसे काबिल बने, पर इसकी खातिर उस पर किसी काम का अनावश्यक बोझ लादना ठीक नहीं। विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चों को एक्टिव रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना जरूरी है। कई बार इस चक्कर में अभिभावक बच्चों पर जरूरत से ज्यादा बोझ लाद देते हैं। एक मां होने के नाते आपको मालूम होना चाहिए कि बच्चे की क्षमताएं क्या हैं। उसके अनुरूप ही बच्चे के लिए हॉबी क्लासेज या ट्यूशन आदि निर्धारित करें।

जासूसी करना ठीक नहीं

बच्चों की हर बात को अविास की नजर से देखना ठीक नहीं है। कुछ मां-बाप की यह आदत होती है कि वे बच्चों की बातों पर आसानी से विास नहीं करते। बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना और उनकी जासूसी करने में अंतर है। असंगत बातों को लेकर परेशान होने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें। अभिभावक होने के नाते बच्चों को सही-गलत की जानकारी देना आपका फर्ज है, लेकिन उनकी हर बात पर संदेह करना और उनकी जासूसी करना गलत है। अपनी परवरिश पर भरो सा करें। आपको इस बात का यकीन होना चाहिए कि आपने बच्चे को सही-गलत का फर्क भली-भांति समझाया गया है और वे सही फैसला लेने के काबिल हैं।

अपनी अपेक्षाओं पर लगाम कसें

अक्सर मां-बाप बच्चों से कुछ ज्यादा अपेक्षाएं करने लगते हैं, इससे बच्चे तनाव में आ जाते हैं और उनका स्वाभाविक विकास प्रभावित होता है। अगर किसी मामले में बच्चा निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं कर पाता तो वह बात उसे परेशान करती रहती है। बच्चे के सामने ऊंचे मानक रखकर उसे तनाव में डालने की गलती न करें। इसके बजाय अच्छे प्रदर्शन के लिए उसे प्रेरित करने और उसका उत्साह बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। उससे हमेशा यह कहें कि कोशिश करने पर सफलता मिलती ही है। ये बातें भले ही छोटी और सामान्य लगें, पर इनका असर सचमुच बड़ा है।

दुष्टों की एकता

एक वन में मदोत्कट नामक एक सिंह रहता था, उसके तीन सेवक थे-बाघ, गीदड़ और कौवा। एक दिन सिंह ने एक ऊंट को देखा, वह अपने काफिले से बिछुड़ गया था। सिंह ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे यह पता लगाएं कि यह कौन सा जानवर है और जंगली है या पालतू।

कुछ देर बाद कौवे ने बताया, यह गांव में रहने वाला एक पशु है, इसका नाम ऊंट है। यह आपका भोजन है, आप इसे मार डालिए। सिंह ने कहा, यह हमारा अतिथि है। इसे मारना उचित नहीं है। तुम इसे आदर के साथ मेरे पास ले आओ।

कौवा ऊंट को ले आया। ऊंट ने सिंह को प्रणाम किया और अपने साथियों से बिछुड़ने का किस्सा सुनाया। ऊंट की दर्द भरी कहानी सुनकर सिंह को दया आ गई। उसने अपने जंगल में ऊंट को घूमने और घास खाने की इजाजत दे दी।

सिंह की यह उदारता बाघ, गीदड़ और कौवे को अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे विवश थे, इसलिए चुप रहे और उपयुक्त अवसर का इंतजार करने लगे।

एक दिन सिंह मदमस्त हाथी से भिड़कर घायल हो गया। उसके लिए चलना फिरना भी मुश्किल हो गया था, फिर वह शिकार कैसे करता। इसलिए भूखों मरने की नौबत आ गई। सिंह ने बातों ही बातों में अपने सेवकों से ऐसे प्राणी की खोज करने के लिए कहा, जिसे आसानी से मारकर अपनी भूख मिटाई जा सके।

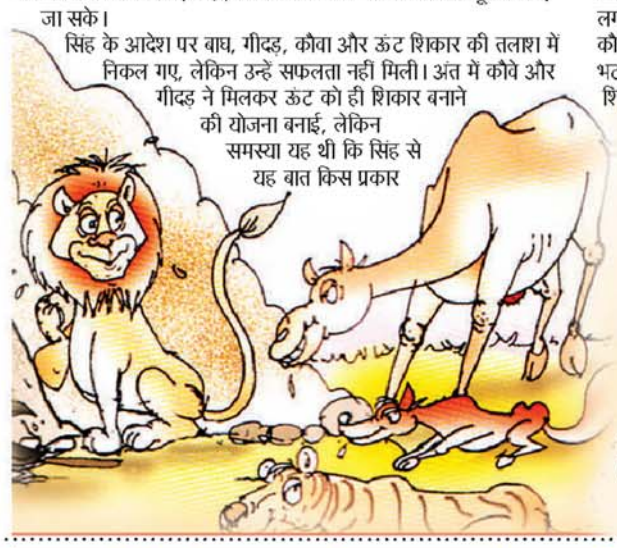

सिंह के आदेश पर बाघ, गीदड़, कौवा और ऊंट शिकार की तलाश में निकल गए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में कौवे और गीदड़ ने मिलकर ऊंट को ही शिकार बनाने की योजना बनाई, लेकिन समस्या यह थी कि सिंह से यह बात किस प्रकार मनवाई जाए। फिर भी दोनों ने सिंह के सामने यह प्रस्ताव रख ही दिया।

प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं।

स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आपको कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए, गीदड़ ने विनम्रतापूर्वक कहा।

जो तुम्हारी इच्छा हो वही करो। सिंह ने लाचारी से कहा।

इसके बाद गीदड़, कौवा और बाघ तीनों ऊंट के पास पहुंचे और बोले, मित्र! हमारे स्वामी की तबीयत खराब है। यह तो आप जानते ही हैं कि हम लोग सारा दिन भटकने के बाद भी उनके लिए शिकार नहीं जुटा पाए हैं। भूख के कारण स्वामी के प्राण निकले जा रहे हैं। ऐसे समय में अपने प्राण त्याग कर स्वामी के प्राणों की रक्षा करना सेवक का धर्म है। क्यों न हम लोग इस धर्म का पालन करें।

इस प्रकार ऊंट को झांसा देकर तीनों धूर्त ऊंट को सिंह के पास ले आए और ऊंट के साथ सिंह को प्रणाम करके बैठ गए।

सिंह ने पूछा, या तुम लोग मेरे खाने का कोई इंतजाम कर सके? मुझे बहुत तेज भूख लग रही है।

कौवा बोला, महाराज! दिनभर भटकने के बाद भी हमें कोई शिकार नहीं मिला, इसलिए आप मुझे खाकर ही अपनी भूख मिटा लीजिए। तभी गीदड़ बोला, तुझे खाकर स्वामी की भूख या मिटेगी। फिर सिंह की ओर देखते हुए गीदड़ ने कहा, महाराज! आप मुझे खाकर अपनी भूख मिटा सकते हैं। अब गीदड़ को पीछे धकेलता हुआ बाघ आगे आया और बोला, महराज! मेरी विनती है कि आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत कीजिए। इससे आपका ही नहीं मेरा भी कल्याण होगा।

तीनों की यह स्वामिभक्ति देखकर ऊंट ने सोचा कि क्यों न मैं भी अपनी स्वामिभक्ति का परिचय दूं। फिर वह सिंह से बोला, स्वामी! आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत करें, क्योंकि ये तीनों तो आपके खाने के लायक नहीं है।

ऊंट का यह कहना था कि सिंह की आज्ञा पर गीदड़ और बाघ ने मिलकर उस का पेट फाड़ डाला। फिर चारों ने मिलकर भरपेट भोजन किया।

शिक्षा: धूर्तों के लिए आत्म बलिदान का कोई महत्व नहीं है।

ऊंट को भोजन बनाने का प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आप को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए...

बिंदु मिलाकर चित्र बनाओ

अंतर ढूंढो

कहानी

क्रोनोमीटर की

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी -रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार की घोषणा सुनी तो अपना भाग्य आजमाने की सोची

क्रोनोमीटर समुद्र में चलने वाले जहाजों को दिशा के बारे में जानकारी देने वाला एक यंत्र है। समुद्री जहाजों के लिए क्रोनोमीटर बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर समुद्री यात्रा के समय दिशा का ज्ञान न हो तो जहाज भटक सकते हैं। क्रोनोमीटर का आविष्कार हो जाने से अब समुद्री जहाजों के लिए यात्रा में दिशा- भ्रम की समस्या नहीं रहती है।

आज से लगभग तीन सौ साल पहले समुद्री जहाजों के सामने प्रमुख समस्या समुद्र में स्थान जानने की रहा करती थी। तब यात्रा के दौरान दिशा-ज्ञान के अभाव में अधिकतर जहाज रास्ते में ही भटक जाते थे, उनमें से कुछ तो तूफान में फंसकर नष्ट भी हो जाया करते थे। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव ब्रिटिश नौसेना पर पड़ता था, क्योंकि सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी में ब्रिटिश नौसेना विश्व में सबसे बड़ी थी।

ब्रिटिश सरकार ने समुद्री यात्रा में दिशा-भ्रम की समस्या के निदान हेतु कई असफल उपाय किये। अंत में, ब्रिटिश सरकार ने सारे संसार में यह घोषणा की कि जो कोई भी ऐसे यंत्र का आविष्कार करेगा, जिससे जहाजों को समुद्र में दिशा और स्थान का सही-सही ज्ञान हो सके, तो उसे बीस हजार पौंड का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इतनी बड़ी धनराशि के पुरस्कार की घोषणा से न केवल, इंग्लैंड, बल्कि संपूर्ण यूरोप में हलचल सी मच गई, क्योंकि इससे पहले इतनी बड़ी पुरस्कार राशि की घोषणा कभी नहीं हुई थी।

बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि सुनकर इसकी प्राप्ति हेतु अनेक व्यक्तियों ने समुद्र में जहाजों को दिशा और स्थान का ज्ञान कराने वाले यंत्र के निर्माण का भरसक प्रयास किया, किन्तु उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में, उत्तरी इंग्लैंड के निवासी जॉन हैरिसन को इसमें सफलता मिली और उसने एक ऐसे यंत्र का आविष्कार किया, जिससे समुद्री यात्रा के समय जहाज चालकों को दिशा का सही ज्ञान हो सके। जॉन हैरिसन द्वारा बनाये गये इस यंत्र को ही 'क्रोनोमीटर' कहा जाता है । क्रोनोमीटर के जन्म की कहानी भी अत्यंत रोचक है।

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी-रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार दिये जाने की घोषणा सुनी तो उसने अपना भाग्य आजमाने की सोची। उसे पता था कि भूगोलवेत्ताओं ने पृथ्वी पर कुछ काल्पनिक रेखाएं मान रखी हैं। इन रेखाओं में जो पृथ्वी के चारों ओर छल्ले की तरह जाती हैं, उन्हें 'अक्षांश' कहते हैं तथा जो उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तकखिंची मानी गई हैं, उन्हें देशांतर कहते हैं। इन दोनों प्रकार की रेखाओं द्वारा नाविकों को समुद्री यात्रा में अपनी स्थिति का सही-सही ज्ञान हो सकता था, बशर्ते कि उन्हें बंदरगाह से चलने के बाद से लगातार ठीक-ठीक समय मालूम हो। हालांकि घड़ियों से भी सही समय को जाना जा सकता था और उस समय घड़ियों का आविष्कार भी हो चुका था। परंतु घड़ियां समुद्री यात्रा के समय काम नहीं करती थीं, क्योंकि किसी घड़ी पर तापमान का असर होता था, तो किसी पर आर्द्रता का। समुद्री हवाओं के कारण घड़ियों के कलपुर्जे भी गल जाते थे।

जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बनाने की ओर अपना पूरा ध्यान केन्द्रित किया जिस पर न तो तापमान का असर हो, न समुद्र की नमकीन और नम हवा की आर्द्रता का। हालांकि आरंभ में उसे अपने कई प्रयासों में असफल भी होना पड़ा। परन्तु उसने हिम्मत न हारी। वह लगातार प्रयास करता रहा। अंत में उसने एक ऐसा पेंडुलम बनाया, जिसकी सहायता से घड़ियों के गर्मियों में तेज चलने के दोष को ठीक किया जा सकता था। इस प्रकार का पेंडुलम बनाने के बाद उसने ऐसी घड़ी भी बनाई, परंतु उस घड़ी में वह गुणवत्ता नहीं आई, जिसके लिए वह प्रयत्नशील था। तब भी उसने हिम्मत नहीं हारी और इस दिशा में और सुधार करने के अपने प्रयास को जारी रखा।

अंतत: जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बना ही ली, जो पूर्ण रूप से समुद्री यात्रा के लिए उपयुक्त थी। तापमान, आर्द्रता एवं समुद्री हवाओं का इस घड़ी पर कोई असर नहीं होता था। इस घड़ी से नाविक बंदरगाह से चलते समय हिसाब से अक्षांश और देशांतर रेखाओं की गणना कर समुद्र में अपनी स्थिति का पता लगा लेते थे। जॉन हैरिसन द्वारा आविष्कृत रोचक इस घड़ी को ब्रिटिश सरकार ने भी स्वीकार कर लिया, जिससे वह ब्रिटिश सरकार द्वारा घोषित बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि पाने का हकदार हो गया।

नामीबिया

बेहद निष्ठुर लेकिन वन्य जीव से समृद्ध

पिछले 15 वर्षों से चीता मैन के नाम से चर्चित ओलिवर हॉलेट अफ्रीका में सबसे बड़ी बिल्ली के साथ नामीबिया में रह रहे हैं। आजकल ओलिवर, पूर्ण स्वच्छंदता के साथ वास करने वाले अंतिम बचे जानवरों की तलाश कर रहे हैं

नामिब मरुस्थल में उन्मुक्त जंगली जानवरों और पौधों की ढेर सारी असमान्य प्रजातियां पायी जाती हैं। हालांकि यह मरुस्थल में व्यापक तौर पर निर्जन है, लेकिन जानवरों ने क्षेत्र की विशिष्ट जलवायु के अनुकूल खुद को ढाल लिया है।

नामिब मरुस्थल एक तटीय रेगिस्तान है, जो संभवत: दुनिया का सबसे पुराना मरुस्थल है। मरुभूमि की रेत ने यहां समुद्र तटों के किनारे कई बड़े बालू के टीलों का निर्माण किया है। यह उन कुछ गिने-चुने मरुस्थलों में से एक है, जो बड़े जानवरों की कई प्रजातियों का परिवास है -

यहां तक कि हाथी भी यहां वास करते हैं। करीब 130 मिलियन साल पुराना नामिब दुनिया का जाना-माना और सबसे प्राचीन मरुस्थल होने के साथ ही साथ यह सबसे खूबसूरत मरुस्थलों में से एक है। इस मरुस्थल की लंबाई 1200 मील है लेकिन चौड़ाई में यह औसतन महज 70 मील तक ही फैला है। यहां दुनिया के सबसे ऊंचे रेत के टीले पाए जाते हैं। यह नारंगी रंगों की रेत की अनंत और अलग परिदृश्य वाली एक पट्टी की तरह नजर आता है और इसके दूर तक फैले खुले तटों के किनारे चमकीले सफेद नमक की परत से लेकर जहाजों के भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं। नामिब-नाउक्लुफ्ट नेशनल पार्क नामिब मरुस्थल के काफी बड़े हिस्से में फैला हुआ है। यह अफ्रीका का सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे बड़े गेम रिजर्व में से एक है, जो मरुस्थलीय शेरों और विलुप्तप्राय नामिब हाथियों को प्राकृतिक परिवास भी है।

विशेषतौर पर अपने शुष्क वातावरण के अनुकूलित, ये विशालकाय जानवर पानी के लिए खुदाई कर सकते हैं और अपने घुटनों के बल रेत के टीलों पर भी चढ़ सकते हैं। वन्यजीवों के साथ ही इस मरुस्थल में आदिम जनजातियां, जैसे- हिंबा भी गर्व से रहते हैं। इनके लिए अपना पहनावा, केश-सज्जा (हेयरस्टाइल) और आभूषण का विशिष्ट सांस्कृतिक महत्व होता है। हिंबा महिलाएं रोज सुबह घंटों सजने-संवरने में व्यतीत करती हैं। माना जाता है कि ये जनजातियां बदलाव का विरोध करती हैं और आधुनिक रहन-सहन के दौर में भी अपनी अनोखी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रख रही हैं।

हाथियों ने इस क्षेत्र की विपरीत परिस्थितियों के अनुकूल खुद को बेहतर तरीके से ढाल लिया है। पानी वाली जगह से भोजन की तलाश में यह 70 किलोमीटर तक की यात्रा कर सकते हैं और कई किलोमीटर दूर से ही पानी की मौजूदगी को सूंघने में सक्षम हैं जबकि चार दिनों तक बिना पानी पिए वे रह सकते हैं। यह देश दक्षिणी अफ्रीकी चीता का सबसे आबादी वाला इलाका है और नेशनल पाकरे में वह शामिल नहीं है। यहां हिरण की 12 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें सबसे बड़े इलैंड (दक्षिणी अफ्रीका का सबसे बड़ा मृग) से लेकर सबसे छोटा ड्माराडिक-डिक शामिल हैं। नामीबिया में बहुतायत में छोटे स्तनधारी भी रहते हैं, जिनमें नेवले, सियार के साथ बहुत कम पाए जाने वाले चींटीखोर भालू (आंट-बीयर), बिज्जू भी पाए जाते हैं, जो एकांत और उभरचर दोनों हैं। वन्यजीव रोमांचकारी यात्री ओलिवर हॉलेट के साथ नामिबिया में उन्मुक्त जानवरों की तलाश में शामिल हों।

11ब्राह्मणों को वैदिक विद्वान प्रतिभा से किया सम्मानित, 25 को होगा ब्राह्मण परिचय सम्मेलन,10 तक होंगे निशुल्क पंजीयन

सकल ब्राह्मण महासमिति का दीपावली मिलन अन्नकूट सम्पन्न

ग्वालियर । सकल ब्राह्मण महासमिति के तत्वाधान में सनाढ्य ,भार्गव, आदि गौड़, कान्यकुब्ज, जिझोतिया, ब्रह्मभट्ट, पंजाबी ब्राह्मण, महाराष्ट्रीयन ,गुर्जर गौड़, सरयूपारी, ऋक्षीशवर, ब्रह्म भट्ट ब्राह्मण, बरूआ ब्राह्मण सहित सभी उपवर्गीय ब्राह्मणों ने आज पांडव पंचमी एवं छठ पर्व के अवसर पर दीपावली मिलन- अन्नकूट एवं वैदिक विद्वान प्रतिभा सम्मान समारोह प्रधान कार्यालय ऊंट पुल जिंसी नाले पर सकल ब्राह्मण महासमिति के अध्यक्ष प्रकाश नारायण शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप डॉ केशव पांडे ने 11 ब्राह्मण को जिसमें आचार्य चैतन्य महाप्रभु पंडित गिरिराज शरण शर्मा गुरूजी ,पंडित अंबिका प्रसाद पचौरी ,पं.रमाकांत शास्त्री,पं.भरत शास्त्री , पंडित मदन मोहन शास्त्री, पंडित कालीचरण शर्मा,पंडित डॉक्टर भैरव दत्त शास्त्री ,पंडित राजेंद्र शास्त्री ,पंडित सुनील दंडोतिया ,पंडित विकास त्रिपाठी, को वैदिक विद्वान प्रतिभा सम्मान से शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्राह्मण सभा मुरार की पूर्व अध्यक्ष नरेश कटारे, डॉक्टर अशोक मिश्रा, कानपुर ब्राह्मण मंडल के अध्यक्ष शशिकांत दीक्षित, ओपी पाठक,देवेंद्र दुबे, राकेश नायक, रवि आनंद गौड़, आदि गौड़ ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष महेश मिश्रा, भार्गव समाज के विजय शर्मा, श्याम बाबू शर्मा,लालता प्रसाद मिश्रा,

ब्रह्म दत्त पांडे, ब्रह्म भट्ट ब्राह्मण समाज के महामंत्री डॉ मुन्नालाल शर्मा, सकल ब्राह्मण महासमिति महिला अध्यक्षा श्रीमती बीना भारद्वाज, कांता शर्मा, सुधा दीक्षित, रेनू शर्मा मंचासीन थे।

स्वागत भाषण महिला अध्यक्ष श्रीमती बीना भारद्वाज ने दिया तथा अतिथियों का स्वागत मनोज त्रिपाठी जी ने किया। संचालन सकल ब्राह्मण महासमिति के संस्थापक डॉ जयवीर भारद्वाज ने किया। गायत्री मंत्र वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ मां सरस्वती जी की वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ इस अवसर पर ब्राह्मण युवक युवती एवं परिवार परिचय सम्मेलन 25 दिसम्बर को ग्वालियर में चेम्बर्स आफ़ कामर्स भवन, अचलेश्वर मंदिर के पास, सुबह 11-30 बजे से होगा। सम्मेलन के निशुल्क पंजीयन 10 नवंबर तक होंगे। एवं सकल ब्राह्मण महासमिति के सक्रिय, साधारण ,आजीवन सदस्य 8 नवंबर तक बनाने का निर्णय लिया।कार्यक्रम में विशेष रूप से सहयोगी में नीतू शर्मा, रेनू शर्मा ,रेखा चतुर्वेदी,शशि गोस्वामी , संध्या तिवारी, संगीता शर्मा,रूबी शर्मा ,रश्मि त्रिपाठी, माया शर्मा ,अंजू गुप्ता अंजू दीक्षित, गीता मिश्रा, सुचित्रा शर्मा, अल्का मिश्रा, किरण मिश्रा, योगिता शर्मा, रचना गौड़,को भगवान परशुराम जी का अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया। सभी ने तिलक लगाकर एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित की। सैकड़ो ब्राह्मणों ने अन्नकूट की प्रसादी का आनन्द लिया। आभार समिति के महामंत्री डॉ मुन्नालाल शर्मा ने व्यक्त किया।

खम्बो पर लगे कट आउट एवं पोस्टर को हटाया

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा सुगम यातायात एवं नागरिकों की सुविधा के लिए निरंतर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। नोडल अधिकारी होर्डिंग सतेंद्र भदौरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त अमन वैष्णव के निर्देशानुसार शहर में सुगम यातायात हो इसके लिए प्रतिदिन यातायात में बाधक अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत शिंदे की छावनी से महाराज बाडा सहित विभिन्न स्थानों से खंभों पर लगे कट आउट पोस्टरों को हटवाया गया।

बैकलेन में पेंटिंग बनाकर किया जा रहा है सुंदर

ग्वालियर । स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के तहत नगर निगम द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारी को लेकर शहर भर में विभिन्न मानकों के आधार पर लगातार कार्य किया जा रहा है ।स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 का सर्वे देश भर में प्रारंभ होने जा रहा है। निगम आयुक्त अमन वैष्णव के निर्देशन में ग्वालियर में स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की तैयारी जोर-शोर से चल रही है । इसी के तहत बैकलेन की साफ सफाई कर आकर्षित पेंटिंग बनाई जा रही है। जिसके तहत आज जोन क्रमांक 11 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 28 में बैकलेन पेंटिंग कार्य क्षेत्राधिकारी श्री अनिल श्रीवास्तव द्वारा करवाया गया।

विधिक जागरूकता के लिए मैराथन दौड़ 9 नवंबर को

ग्वालियर। कार्यपालक अध्यक्ष मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार विधिक सेवा सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहे न्यायोत्सव- विधिक साक्षरता सप्ताह का समापन 9 नवंबर को विधिक जागरूकता मैराथन एवं विभागीय प्रदर्शनी के साथ होगा। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर श्री पी सी गुप्ता के मार्गदर्शन में ÷न्याय सबके लिये÷ की भावना को समाहित करते हुए विधिक जागरूकता मैराथन दौड़ (रन एण्ड वॉक फॉर जस्टिस) का आयोजन 9 नवंबर को प्रातः 7-30 बजे किया जायेगा। यह दौड़ नवीन जिला न्यायालय परिसर से शुरू होगी और अलकापुरी- गोविन्द पुरी- यूनिवर्सिटी रोड़ तिराहा -गांधी रोड़- होटल तानसेन बत्ती से एस पी ऑफिस- यूनिवर्सिटी तिराहा- हाईकोर्ट- अलकापुरी- गेट नंबर 2 नवीन न्यायालय परिसर में पहुँचेगी। यहीं पर इस दौड़ का समापन होगा। मैराथन दौड़ में न्यायाधीश, अधिवक्तागण, जिला न्यायालय व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी व कर्मचारी, शासन व पुलिस प्रशासन, शासकीय अधिवक्तागण, अभियोजन अधिकारीगण,

एलएडीसीएस, पैनल अधिवक्तागण, पीएलव्ही, एलएनआईपीई सहित महाविद्यालयों व विधि छात्रों एवं स्वेच्छिक रुप से भाग लेने वाले नागरिकों द्वारा सहभागिता की जावेगी।

ज्ञात हो ग्वालियर में विधिक सेवा सप्ताह का शुभारंभ गत 4 नवंबर को विधिक जागरूकता मोटर बाईक रैली को हरी झंडी दिखाकर प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री न्यायमूर्ति आनंद पाठक व प्रधान जिला न्यायाधीश श्री पी सी गुप्ता द्वारा किया गया था। इसके बाद 5 नवंबर को मंगलधाम वृद्धाश्रम पर विधिक जागरूकता सह स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, 6 नवंबर को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुरार में निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता तथा आईटीएम स्कूल ऑफ लॉ में क्विज व नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इसी तरह 7 नवंबर को बाल संप्रेक्षणगृह में विधिक जागरूकता शिविर, 8 नवंबर को पिंटो पार्क में श्रमिकों के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया जायेगा। 9 नवंबर को विधिक जागरूकता मैराथन दौड़ के पश्चात नवीन न्यायालय परिसर में विधिक जागरूकता प्रदर्शनी के साथ न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का समापन होगा।

गुटखा खाकर सड़क पर जैसे ही थूका लगा जुर्माना

ग्वालियर । स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के तहत शहर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही गंदगी करने वाले, अमानक पॉलीथिन का उपयोग करने वालों एवं पान गुटके की पीक को थूक कर स?क पर रेड स्पॉट बनाने वाले लोगों पर भी जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है। जिसके तहत आज 27300 रूपये से अधिक का जुर्माना वसूल किया गया। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव एवं डॉ. अनुज शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम आयुक्त अमन वैष्णव के निर्देशानुसार उपायुक्त अमर सत्य गुप्ता के निर्देशन में नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा गंदगी करने वालों पर जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत ग्रामीण विधानसभा एवं दक्षिण विधानसभा में वार्ड 65, 34,42, 38, 53, 47,39,40,43,46 एवं 50 में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वाले दुकानदारों एवं ठेले वालों पर एवं गंदगी फैलाने वालों, रेड स्पॉट यलो स्पॉट एवं गोबर फैलाने पर जुर्माने की कार्यवाही कर 24000 रूपये का

जुर्माना वसूल किया गया तथा अमानक पॉलीथिन को जब्त किया गया।

ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में वार्ड 21 गोला का मंदिर चौराहा सिग्नल पर रोड एवं डिवाइडर पर थूकने वालों पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान 500 रूपये का जुर्माना किया गया तथा गोला का मंदिर क्षेत्र की दुकानों पर अमानक पॉलीथिन उपयोग न करने के पम्पलेट लगाकर दुकानदारों को जागरूक किया। साथ ही वार्ड क्रमांक 59 में रेड स्पॉट एवं येलो स्पॉट निरीक्षण कर सडक पर थूकने वालों पर 1100 रूपये का जुर्माना किया गया एवं समझाइश दी गई। साथ ही गांधी रोड पर खुले में थूकने वालों पर जुर्माना कार्यवाही करते हुए कुल जुर्माना राशि 1000 रुपए का जुर्माना वसूल किया गया। ग्वालियर विधानसभा अंतर्गत मछली मंडी में मछली विक्रेताओं पर रेड स्पॉट पर करवाई कर 700 रूपये का जुर्माना किया गया तथा मछली वालों को हिदायत दी गई मीठ मांस ढककर रखें, गंदगी ना करें, थूकने पर और गंदगी करने पर जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 13 में रोड पर गंदगी करने वालों से 500 रूपये का स्पॉट फाइन वसूला गया।

स्व सहायता समूह की महिलायें नागरिकों को करेंगी स्वच्छता के प्रति जागरूक

ग्वालियर। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत शहर के गली मोहल्लों एवं बस्तियों व कॉलोनियों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाने एवं आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए स्व सहायता समूह की महिलाओं के माध्यम से शहर में अभियान चलाया जाएगा। जिसको लेकर आज बुधवार को विभिन्न स्व सहायता समूह की बैठक लेकर निगमायुक्त अमन वैष्णव ने महिलाओं से चर्चा की तथा स्वच्छता सर्वेक्षण के बारे में जानकारी दी।

बाल भवन ऑडिटोरियम में आयोजित बैठक में निगमायुक्त अमन वैष्णव ने स्वसहायता समूह की महिलाओं से चर्चा करते हुए कहा कि आपके स्व सहायता समूह के माध्यम से शहर में स्वच्छता जागरूकता की विभिन्न गतिविधियां प्रारंभ की जानी है। जिसमें आम नागरिकों को सूखा व गीला कचरा से ग्रिकेशन एवं होम कम्पोस्टिंग के प्रति जागरूक किया जाए। जिसके लिए विभिन्न महिला समूह नुक्कड़ नाटक, रैली एवं अन्य प्रकार की सकारात्मक गतिविधियों के माध्यम से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर महिलाओं, युवाओं, छात्र-छात्राओं को जागरूक करें। इसके लिए आपको स्वच्छता सेवा मित्र के नाम संबोधित किया जाएगा तथा आपको आईडी कार्ड भी उपलब्ध कराये जाएगें और अच्छा कार्य करने पर प्रमाण पत्र भी दिए जाएगें।निगमायुक्त वैष्णव ने महिलाओं से चर्चा करते हुए उनके समूह द्वारा बनाये जाने वाले विभिन्न उत्पादों की जानकारी ली तथा उनके उत्पाद किस प्रकार अच्छी दर पर अधिक से अधिक संख्या में विक्रय किए जा सकें। इसके लिए प्रयास करने का आश्वासन किया। निगमायुक्त श्री वैष्णव ने कहा कि स्व सहायता समूह की आय बढ़ाने के लिए निगम के अधिकारी योजना बनाएं तथा इसके लिए अलग से कार्यशाला भी आयोजित करें। जिससे स्व सहायता समूह के माध्यम से कार्य करने वाली महिलाओं की आय बढे तथा वह स्वावलंबी बन सकें। चर्चा के दौरान अनेक महिलाओं द्वारा अपने समूह द्वारा बनाये जाने वाले उत्पादों की जानकारी दी तथा सभी स्व सहायता समूहों ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के लिए कार्य करने का भी आश्वासन दिया।

सफाई व्यवस्था को लेकर सभी अधिकारी कर्मचारी करें समन्वय से कार्य निगमायुक्त

ग्वालियर। शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर सभी अधिकारी कर्मचारी सक्रियता से आपस में समन्वय कर कार्य करें तथा जोनल एवं वार्ड मॉनिटर प्रतिदिन अपने अपने क्षेत्रों में निकलकर स्वच्छता की मॉनिटरिंग करें और प्रतिदिन किए गए भ्रमण की जानकारी गूगल शीट के माध्यम से पोर्टल पर भरें। इस कार्य में लापरवाही करने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के खिलाफ कडी कार्यवाही की जाएगी। यह निर्देश निगम आयुक्त अमन वैष्णव ने बुधवार को स्वच्छता की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक के दौरान निगमायुक्त वैष्णव ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 आगामी माह में प्रारंभ हो सकता है। इसके लिए सभी अधिकारी कर्मचारी निरंतर फील्ड में रहकर कार्य करें और प्रतिदिन निरीक्षण के लिए क्षेत्र में जाने वाले जोनल एवं वार्ड मॉनिटर अपने अपने क्षेत्र में नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाये तथा जहां भी गंदगी मिले तत्काल कार्यवाही करें। यदि कोई कर्मचारी लापरवाही कर रहा है तो उसके खिलाफ कार्यवाही का प्रस्ताव दें। निगमायुक्त ने कहा कि स्वच्छता जागरूकता के लिए सभी अधिकारी कर्मचारी कार्य करें तथा जहां भी जो भी दुकानदार या नागरिक गंदगी फैलाता है तो उसके खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही करें। निगमायुक्त ने विधानसभावार गंदगी पर किए गए जुर्माने की जानकारी ली तथा कम जुर्माना करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जुर्माना ब?ाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही यह भी कहा कि जुर्माने की राशि हर दो दिन में बैंक खाते में जमा कराई जाए। समीक्षा के दौरान प्रेजेंटेशन के माध्यम से स्वच्छता सर्वेक्षण के सभी घटकों के लिए नियुक्त किए गए अधिकारियों द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी गई। जिसमें अनेक अधिकारियों द्वारा अभी तक कोई जानकारी अपलोड नहीं की गई है, उन्हें तत्काल जानकारी अपलोड करने के निर्देश दिए गए। बैठक में शहर की सुंदरता एवं सौंदर्यीकरण के लिए किए जा रहे कार्यों तथा कॉलोनी, मोहल्ला एवं अन्य क्षेत्रों में की जा रही वॉल पेंटिंग, बैक लेन आदि के प्रजेंटेशन को देखा तथा सभी अधिकारियों से इसी प्रकार कार्य करने के निर्देश दिए।

स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को करें सुव्यवस्थित, कहीं से न मिले शिकायत: निगमायुक्त -शहर की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था में अब सुधार आ रहा है, इसे और बेहतर बनायें तथा सभी 60 टीमें क्षेत्र में काम करें और चार हाइड्रा मशीन कार्य करें तथा लाइट की व्यवस्था प्रॉपर हो। यह निर्देश निगम आयुक्त अमन वैष्णव ने बुधवार को शहर की विद्युत व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में निगमायुक्त वैष्णव ने शहर की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को लेकर एचपीएल कंपनी की ओर से कार्य कर रहीं टीमों की जानकारी ली तथा स्पष्ट निर्देश दिए कि दीपावली से पूर्व कंपनी को कुछ भुगतान कर दिया गया है तथा अब सभी 60 टीमें फील्ड में कार्य करें। इसके साथ ही कंपनी के हाइड्रा के बारे में जानकारी ली एवं निर्देश दिए कि सभी 4 हाइड्रा कार्य करें एवं स्ट्रीट लाइट संधारण की व्यवस्था प्रोपर हो यह कंपनी के प्रतिनिधि सुनिश्चित करें, तो आगामी भुगतान तत्काल कर दिया जाएगा। निगमायुक्त वैष्णव ने कहा कि शहर में जहां भी स्ट्रीट लाइट बंद है तथा लाइट बिलिंग कर रही है उसे तत्काल ठीक करायें एवं लाइटों का संधारण करने वाले वर्कशॉप की क्षमता ब?ाये और सीएम हेल्पलाइन का निराकरण समय सीमा में करें।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478